हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शनिवार, 28 मार्च, 2026
वर्ष : 13 अंक : 301
मूल्य : 3 रुपए
www.koylanchalsamvad.com

रामोत्सव में राममय हुई रांची

जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा शहर

रांची : रामनवमी के अवसर पर राजधानी रांची पूरी तरह राममय हो उठी. रांची में सबसे पहले पुंदाग से रामनवमी झंडा उठाने के बाद शहर के प्रत्येक गली-मुहल्लों की रामनवमी जुलूस अल्बर्ट एक्का चौक पहुंची और तपोवन मंदिर निवारणपुर की ओर रवाना हुए.

शहर के पिस्का मोड़, रातू रोड चौक, हरमू रोड, अरगोड़ा चौक, मेन रोड समेत विभिन्न इलाकों से निकला अखाड़ाधारियों का जुलूस भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल बना रहा हैं.

पारंपरिक भगवा वेशभूषा में सजे रामभक्तों के हाथों में तलवार, भाला सहित पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र नजर आ रहे हैं. जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं, जो नाचते-गाते और जय श्रीराम के नारों के साथ माहौल को भक्तिमय बना रही है.

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगाए गए सेवा शिविरों में श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत किया जा रहा हैं. उन्हें भगवा पगड़ी, फूल-मालाएं और जुलूस में पुष्प वर्षा किए जा रहे हैं.

अल्बर्ट एक्का चौक बना स्वागत का केंद्रः अल्बर्ट एक्का चौक पर दर्जनों स्वागत शिविर लगाए गए, जहां महावीर मंडल, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, मंत्री, विधायक और सांसदों ने जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हैं. इससे पहले सभी जुलूस महावीर चौक की ओर से गुजरे जहां श्री राम श्रृंगार समिति द्वारा भव्य स्वागत की व्यवस्था की गई है. श्री रामनवमी महावीर समिति का जुलूस सबसे आगे बढ़ा, जो शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचा. जहां पर जोरदार स्वागत किया जा रहा हैं. डीजे की धुन भी बजते रहे.

तपोवन मंदिर में होगा समापनः रामनवमी शोभायात्रा का समापन निवारणपुर स्थित तपोवन मंदिर में होगा. महावीर चौक से प्रारंभ होकर गांधी चौक और मेन रोड होते हुए गुजरने वाले इन जुलूसों में लाखों श्रद्धालु शामिल हुए. पूरे मार्ग में भक्ति, उल्लास और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है.

तीन रंग से तैयार महावीर झंडाः अल्बर्ट एक्का चौक पर करीब 101 फीट ऊंची तीन रंगों वाली नारंगी, सफेद और हरा रंग का झंडा लहराया गया. चंद्र शेखर दुर्गा पूजा समिति की ओर से बुलाए गए लखनऊ के कलाकार शामिल हुए. इस दौरान शिव तांडव का मंचन किया गया. जो काफी आकर्षक और श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी संग पहुंचे तपोवन मंदिर

लगाए जय श्रीराम के नारे, उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

रांचीः रामनवमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पूरे विधि-विधान के साथ भगवान श्रीराम और वीर हनुमान की आराधना की और जय श्रीराम के नारों के साथ राज्यवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। तपोवन मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण ने उन्हें निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर महंत द्वारा मुख्यमंत्री को गदा और तलवार भेंट की गई।

पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि रामनवमी का दिन हम सभी के लिए विशेष महत्व रखता है। चारों ओर हर्षोल्लास और भक्ति का वातावरण है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श और वीर हनुमान की ज्ञान, तपस्या और त्याग की भावना युगों-युगों तक समाज को प्रेरणा देती रहेगी। जुलूस और शोभायात्राओं के माध्यम से श्रद्धालुओं में जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह हमारी सांस्कृतिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि ऊर्जा, उत्साह और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी से मिल-जुलकर पर्व को शांतिपूर्ण और यादगार बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास स्थित बजरंगबली मंदिर में भी विधिवत पूजा-अर्चना की, जहां परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 28वां दिन

ईरान ने मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखा, इजराइल पर दागीं:इन पर पाक का भी नाम

तेल अवीव/तेहरानः ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया। इस बार मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर भेजा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखा कि ईरानी सैनिक मिसाइलों पर थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया लिख रहे हैं। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी संदेश लिखे गए। ईरान ने कहा कि यह कदम उन देशों के प्रति आभार जताने के लिए है जिन्होंने उसका समर्थन किया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुताबिक, यह 83वीं स्ट्राइक थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल किए गए। हमलों में इजराइल के ठिकानों के साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। बहरीन में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े एक ठिकाने पर हमला होने का दावा किया गया है।

ईरान ने होर्मुज से 3 जहाज लौटाए; बोला- रास्ता बंद

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से तीन जहाजों को लौटा दिया है। ईरान ने कहा है कि यह समुद्री रास्ता फिलहाल बंद है और किसी भी जहाज की आवाजाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड नेवी ने अलग-अलग देशों के तीन जहाजों को प्रवेश से रोककर वापस भेज दिया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, स्ट्रेट को बंद घोषित किया गया है और किसी भी जहाज के आने-जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी जाएगी। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 10 तेल टैंकर होर्मुज से गुजरने दिए गए। ईरान ने साफ किया कि अमेरिका और इजराइल से जुड़े देशों के पोर्ट्स से आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह रोक लगाई गई है।

खाड़ी संकटः पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान पर अमेरिका–इजराइल के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में बने तनावपूर्ण हालात को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्रियों के साथ पहली बार डिजिटल बैठक की। बैठक का उद्देश्य 'टीम इंडिया' की भावना के तहत केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, वहां के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हो सके।

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन. चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की और कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। तटीय, सीमावर्ती, साइबर और रणनीतिक ठिकानों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने राज्यों से सतर्कता बरतने और किसी भी चुनौती का मिलकर सामना करने का आह्वान किया।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

संदेश

प्रतिवर्ष मार्च माह के अंतिम शनिवार को 'अर्थ ऑवर' मनाया जाता है। यह वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर (WWF) की एक प्रभावी वैश्विक पहल है, जिसका शुभारंभ वर्ष 2007 में किया गया था। इसका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानव जीवन के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

WWF-India प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है। 'अर्थ ऑवर' के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लोग स्वेच्छा से एक घंटे के लिए गैर-आवश्यक रोशनी बंद कर इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। यह एक प्रतीकात्मक, किंतु अत्यंत प्रभावशाली पहल है, जो हमें ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराती है। इस वर्ष 'अर्थ ऑवर' 28 मार्च, 2026 (शनिवार) को रात्रि 08:30 बजे से 09:30 बजे तक मनाया जा रहा है।

अत: सभी राज्यवासियों से आह्वान है कि वे इस निर्धारित अवधि में अपने-अपने घरों में अनावश्यक प्रकाश बंद रखकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दें। साथ ही, सभी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में भी अनावश्यक प्रकाश बंद करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ तथा प्रकृति की रक्षा और सतत विकास के संकल्प को सुदृढ़ किया जाए।

PR No. 376196 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

संक्षिप्त खबरें...

काली मंदिर परिसर में विराट हिंदू महासम्मेलन की तैयारी को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गैड़ा स्थित काली मंदिर परिसर में विराट हिंदू महासम्मेलन की तैयारी को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। अध्यक्षता मुकेश राय ने की संचालन चंदन कुमार ने किया. बैठक में उपस्थित लोगों ने विराट हिन्दू सम्मेलन सफल संचालन और अयोजन हेतु अपने अपने सुझाव दिये. महासम्मेलन के सफल और भव्य तैयारी हेतु सभी लोगों को दायित्व और कार्यों की जिम्मेदारी दिया गया. बैठक में सर्वसम्मति से आगामी पांच अप्रैल को विराट हिंदू महासम्मेलन का आयोजन तुर्कबाद मैदान में करने का निर्णय लिया गया. जिसमें चुगलामो, बरकंनगांगों और गैड़ा पंचायत के सभी हिंदू परिवारों को शामिल होने का आह्वान किया गया. इस अवसर पर बैठक में अमरदीप पांडेय, जयनंदन यादव, रंजीत कुमार, संदीप कुमार, संजय प्रसाद, अजीत कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

विधायक बड़कागांव हनुमान मंदिर पहुंचे, किया पूजा

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड का दौरा कर मंदिरों में मत्था टेका व आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूजा समिति के द्वारा विधायक का स्वागत किया गया । विधायक ने बड़कागांव दैनिक बाजार स्थित चैती दुर्गा मंदिर में मां दुर्गे एवं हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्र की विकास के लिए भगवान से कामना की। बड़कागांव प्रखंड वासियों को रामनवमी की हार्दिक बधाई दी। एवं लोगों को भगवान श्री रामचंद्र जी के बताए हुए मार्गों पर चलने का आह्वान किया। मौके पर रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी, मां बसंती दुर्गा पूजा समिति बड़कागांव के अध्यक्ष अरविंद वर्मा, आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,रवि जयसवाल ,आदित्य सोनी, अवधेश वर्मा ,सरोज सोनी, पुरोहित मन्नू मिश्रा, गौतम वर्मा, सरोज सोनी, शंभू सोनी के अलावा कई उपस्थित थे।

बड़कागांव स्वर्णकार समाज ने हनुमान मंदिर में चढ़ाया 3.5 किलो चांदी का झंडा

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव स्वर्णकार समाज की ओर से 3.5 किलो चांदी का झंडा चढ़ावा किया गया। उक्त चांदी के झंडे में समाज के एक-एक घर से प्रतिवर्ष थोड़ा-थोड़ा चांदी लेकर झंडे का आकार बढ़ाया जाता है। यह कार्य विगत 10 वर्षों से किया जा रहा है। शुरुआती वर्ष में झंडे का वजन 450 ग्राम था। वर्षों में चांदी जोड़ कर ढाई किलो किया गया। झंडा में प्रतिवर्ष चांदी जोड़ कर बढ़ाया जाता है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से चैती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अरविंद वर्मा, सचिव सरोज सोनी, रामसेवक सोनी, गौतम वर्मा, पूर्व पंसस राजीव रंजन, शंभू सोनी, दुर्गा सोनी,राजू सोनी, प्रकाश सोनी, बृजेश वर्मा,सरोज सोनी, इंग्लेश सोनी, मुरली प्रसाद सोनी, आदित्य सोनी, रंजीत सोनी, विकास सोनी, रोशन सोनी, पिंकू सोनी, दुर्गा सोनी, चंदन कुमार सोनी, भुवनेश्वर सोनी, के अलावा अन्य शामिल थे।

थाना प्रभारी ने ड्रोन से छतों की किया निरीक्षण

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। प्रखंड में रामनवमी त्योहार को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए प्रशासन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जिसे बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के द्वारा जुलूस मार्ग में स्थित सभी छतों की निगरानी की गई। जिन लोगों के छतों में ईट पत्थर रखे देखे गए वैसे मकान मालिक को शीघ्र हटा लेने की निर्देश दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रखंड के तकरीबन 500 मकान की ड्रोन कैमरा से निरीक्षण किया गया है। जिसमें बड़कागांव, महुदी, बादम, हरली, चौपदार बलिया, के अलावा अन्य संभावित संवेदनशील जुलूस मार्ग में निरीक्षण किया गया। बता दे की रामनवमी को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से 45 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एवं 345 लोगों को 126 बीएनएसएस की नोटिस दी गई है।

गुलज़ार बाग कॉलोनी में गंदा पानी का सप्लाई, बीमारी फैलाने का खतरा

जमशेदपुर । मानगो के चेपापुल के निकट गुलजार बाग कॉलोनी में नल से गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है । गुलज़ार बाग के निवासी मोहम्मद मारुख अंसारी ने बताया कि गुलज़ार बाग कॉलोनी में पिछले कई दिनों से गंदा पानी निकल रहा है । इस संबंध में मानगो नगर निगम कार्यालय में बस्तीवासियों द्वारा शिकायत दर्ज भी कराया गया है, लेकिन आज तक स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है । झामुमो नेता उज्वल दास को इस संबंध में जानकारी मिलने पर शुक्रवार को गुलजार बाग कॉलोनी में जाकर वस्तु स्थिति से अवगत हुए । उन्होंने मानगो नगर निगम के अधिकारियों से शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया है ।

झारखंड में रामनवमी पर लगे जय श्री राम के नारे

बरकट्ठा में नवमी के अवसर पर रामभक्तो के द्वारा निकला गया भव्य मोटर साइकिल रैली शोभायात्रा

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बरकट्ठा में शनिवार को नवमी के अवसर पर रामभक्तो के द्वारा भव्य मोटर साइकिल रैली शोभायात्रा निकाली गई। जुलूस बरकट्ठा दुर्गा मंदिर परिसर से शुरू होकर गोरहर थाना, जीटी रोड़, बाजार रोड़, बरकट्ठा डीह, प्लस टू हाई स्कूल समेत विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए पुनः वापस लौट आई. जुलूस में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने अपने हाथों में भगवा ध्वज लेकर जय श्री राम का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे. पर्व को लेकर बरकट्ठा दुर्गा मंदिर परिसर समेत अन्य मंदिरों को काफी आकर्षक ढंग से पूजा पंडाल एवं लाइट से सजाया गया है. मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. पर्व को लेकर हो रही पूजा पाठ व बज रही भक्ति गीतों से पुरा इलाका भक्तिमय हो गया है. वहीं चारो ओर महावीरी झंडा व पताकों से पूरा इलाका भगवा मय हो गया है. शोभायात्रा में मुख्य रूप से बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, राजनंदनी कुमारी, स्नेहा कुमारी, जिप सदस्य प्रतिनिधि चंद्रकांत पांडेय, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, दर्शन सोनी, विहिप प्रखंड अध्यक्ष भागीरथ प्रसाद, कमलेश गुप्ता, रामजी मंडल, अशोक गुप्ता, संजय प्रसाद, रामचंद्र चौधरी, विजय यादव, पूजा समिति अध्यक्ष रामखेलावन यादव, सूरज मोदी, दीपक राणा, उपेन्द्र यादव, धीरज गुप्ता, सुमन गुप्ता, मिथलेश भारती, सुरेश राम, महेश मंडल, राज गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, बिट्टू मोदी, मोनू मंडल, चंदन मोदी, उमेश मोदी, श्रीकांत पांडेय, उमेश यादव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे. बाइक रैली के मद्देनजर बरही एसडीओ जोहन टुडू, डीएसपी अजीत कुमार विमल, बरकट्ठा सीओ नवीन भूषण कुल्लू, बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, थाना प्रभारी पंकज सिन्दुरीया समेत अन्य पदाधिकारी एवं पुलिस बल मुस्तैद थे.

पलामू : वर्षो से चली आ रही परंपरा के अनुसार विश्रामपुर में दसवीं को निकल रामनवमी का भव्य जुलुस, राम दरवार की झांकी रहा आकर्षण

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : वर्षो से चली आ रही परंपरा के अनुसार विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में शुक्रवार को रामनवमी का जुलूस दसवीं को निकाला गया। जुलुस की शुरुआत विश्रामपुर के ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर से हुआ। रामनवमी जुलुस गढ़ मुहल्ला,दर्जी मुहल्ला,अंजान शाहिद देव स्थल,बाजार मुहल्ला,बस स्टैंड,सोरडीह सहित नप मुख्यालय के हर गली कुच्चो से गुजरी और स्थानीय डाक बंगला परिषर में जय श्री राम के साथ समापन्न हुआ। रामनवमी जुलुस में राम भक्तो की भीड़ उमड़ पड़ी। जुलुस में एक ही नारा-एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम गूंज रहा था। विश्रामपुर के जुलुस में पांडेपुर,कबिलासी,उरसुला,झगरुआ, बरसईता,मधु रीडीह,नवडीहवा,छिपादोहर, पाचघारा,हरहेपा,नावाडीह कला,बघमानवा,कोसियार सहित दर्जनों गांव के झंडों का मिलान डाक बंगला परिषर में हुआ। जुलूस में राम दरबार की झांकी व बांदरी सेना का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। जुलुस के दौरान राम भक्तो ने अखाड़ो में एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया। इससे पहले रामनवमी पूजा समिति द्वारा बस स्टेंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में सम्मान समारोह का आयोज कर स्थानीय प्रसाशन,पुलिस अधिकारियों,पत्रकार व गण्यमान्य लोगो को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष पूजा समिति के अध्यक्ष विकाश चंद्रवंशी व संचालन संतोष ठाकुर ने किया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक रामशीष पासवान,प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव सिंह,थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे,नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी,समाजसेवी संजय बैठा,एसआई शिवनाथ रंजन,पूर्व विस प्रत्याशी ब्रह्मदेव प्रसाद,समाजिक सेवा समिति अध्यक्ष संजय पांडेय,विधायक प्रतिनिधि हेसामुद्दीन अंसारी,विधायक प्रतिनिधि सह नगर परिषद के उपाध्यक्ष पति कृष्णकांत यादव उर्फ मुन्ना यादव,राजनेता ओमप्रकाश गुप्ता गुड्डू,रामचंद्र यादव,समाजसेवी गोपाल राम,राजन पांडेय,वार्ड पार्षद सोना देवी,सुनील कुमार चौधरी,गोपाल सोनी,विजय कुमार रवि सहित कई लोग शामिल थे। समिति के लोगो ने सभी को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया।

रामनवमी पर हजारीबाग यूथ विंग का भव्य लड्डू महाभोग, 151 किलो प्रसाद वितरण से दिखी आस्था और सेवा की मिसाल

हजारीबाग यूथ विंग का 365 दिन समर्पित सेवा भाव पूरे जिले के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय है : मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म उत्सव रामनवमी के पावन एवं पुण्य अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा भव्य लड्डू महाभोग कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न किया गया। यह आयोजन संस्था के वार्षिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जिसका यह पांचवां वर्ष था। इस अवसर पर शहर भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्ति एवं उत्साह से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था द्वारा 151 किलो लड्डू महाभोग तैयार कर महावीर स्थान मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ प्रभु श्रीराम को अर्पित किया गया। मंदिर के प्रधान पुजारी कार्तिक पांडे द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। महाभोग अर्पण के उपरांत प्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया, जिसे पाकर भक्तगण भावविभोर हो उठे और जय श्री राम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। इस भव्य आयोजन में समाज के हर वर्ग की सहभागिता देखने को मिली। बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक समरसता, एकता और सेवा भाव का भी सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्था द्वारा उनका अंगवस्त्र भेंटकर पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच महाभोग का वितरण किया और आयोजन की सराहना की।इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि रामनवमी जैसे पावन पर्व पर इस प्रकार का आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। हजारीबाग यूथ विंग जिस समर्पण, सेवा और निष्ठा के साथ वर्ष के 365 दिन समाजहित में कार्य कर रही है, वह वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि संस्था की यह सकारात्मक ऊर्जा समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के सफल संचालन में संयोजक जयप्रकाश खंडेलवाल एवं प्रणीत जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने पूरे समर्पण और कुशल नेतृत्व के साथ इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष करण यादव उर्फ लड्डू यादव, भाजपा नेता टोनी जैन, समाजसेवी नीरज अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि लब्बू गुप्ता सहित कई गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की सराहना की एवं भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए बढ़-चढ़कर सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, अध्यक्ष करण जायसवाल, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, कार्यक्रम संयोजक जयप्रकाश खंडेलवाल, प्रणीत जैन, संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार, विकास केसरी, डॉ. बी. वेंकटेश, कार्यकारिणी सदस्य विवेक तिवारी, रोहित बजाज, सेजल सिंह, प्रज्ञा कुमारी, मोहम्मद ताजुद्दीन, चंदन सिंह, उदित तिवारी, सनी सलूजा, मानसी सिन्हा, हैप्पी कुमार, केशव खंडेलवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

विष्णुगढ़ की विभत्स घटना पर सांसद सेवा केंद्र में भाजपा ने किया प्रेस-वार्ता

सांसद मनीष जायसवाल ने सरकार और सत्ता पक्ष की चुप्पी पर उठाया सवाल

हजारीबाग। हज़ारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड के एक गांव में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और उसकी नृशंस हत्या ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। संसद सत्र से लौटते ही हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद आदित्य साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और नेताओं के साथ सीधे पीड़ित परिवार के पास पहुंचे और शोकसंतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए न्याय दिलाने का अटूट भरोसा जताया। पीड़ित परिवार से मिलकर लौटने के बाद सांसद सेवा केंद्र, हजारीबाग सभागार में भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग द्वारा आयोजित एक प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए इस हृदयविदारक घटना पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि मंगलवार को मंगल जुलूस के दौरान अपनी मां के साथ शामिल हुई यह नाबालिग बच्ची अचानक रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी, जिसका शव अगले दिन सुबह क्षत-विक्षत स्थिति में बरामद हुआ। शव की हालत इतनी भयावह थी कि देखने वालों की रूह कांप गई। मासूम की आंखें निकाल ली गई थीं, जीभ कटी हुई थी और उसके साथ की गई बर्बरता किसी भी सभ्य समाज के लिए असहनीय है। सांसद मनीष जायसवाल ने इस कृत्य को 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' मामला बताते हुए राज्य सरकार की संवेदनहीनता पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि घटना के चार दिन बीत जाने के बावजूद राज्य की झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार का कोई भी बड़ा अधिकारी या सत्ताधारी दल का नेता पीड़ित परिवार की सुध लेने नहीं पहुंचा। उन्होंने इस घटना की तुलना निर्भया कांड से करते हुए कहा कि यह उससे भी कहीं अधिक दर्दनाक और जघन्य है क्योंकि इसमें पीड़िता महज एक अबोध बालिका थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की है और मांग की है कि सरकार पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए उन्हें उचित मुआवजा दे ताकि पीड़िता के पिता को आजीविका के लिए घर छोड़कर बाहर न जाना पड़े। प्रेस- वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, बीजेपी नेता अनिल मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला, हरीश श्रीवास्तव, जयनारायण मेहता, टोनी जैन, सुमन कुमार पप्पू, सांसद प्रतिनिधि अजय साहू, किशोरी राणा, रेणुका साहू, सोनू गुप्ता, दिलीप साहू, विजय वर्मा, विशेषांक वर्मा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

पेट्रोलियम पर कस्टम ड्यूटी घटाकर जनता को दी बड़ी राहत - सांसद मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग। सांसद सेवा केंद्र हजारीबाग के सभागार में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस-वार्ता के दौरान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्रवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बड़े और लोकहितकारी निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि रामनवमी के पावन पर्व के इस अवसर पर केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर अतिरिक्त कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) को कम कर देश की जनता को महंगाई से बचाने के लिए एक बड़ा तोहफा दिया है।सांसद मनीष जायसवाल ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि जहाँ दुनिया के कई शक्तिशाली देशों में पेट्रोल और डीजल के दामों में 15 से 25 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि देखी जा रही है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाते हुए भारत में कस्टम ड्यूटी घटाने का साहसिक निर्णय लिया है।

सांसद मनीष जायसवाल ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के इस कदम से आने वाले समय में हिंदुस्तान में पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की संभावना कम हो जाएगी, जिससे सीधे तौर पर आम आदमी की जेब पर पड़ने वाला बोझ घटेगा। उन्होंने इस फैसले को पूर्णतः लोकहितकारी बताते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक हालातों के बावजूद जनता के हितों को सर्वोपरि रखना पीएम नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने समस्त हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल आर्थिक राहत प्रदान करेगी बल्कि त्योहारों के इस मौसम में आम जनमानस के उत्साह को भी दोगुना करेगी।

हिंदू एवं मुस्लिम दोनों समुदायों ने मिलकर किया शांति कि बैठक

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर बड़कागांव ठाकुर मोहल्ला धर्मशाला में हिंदू एवं मुस्लिम दोनों समुदायों ने मिलकर शांति बैठक की। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर एवं संचालन शक्ति ठाकुर ने किया। हिंदू समुदाय के लोगों ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को शांति की प्रतीक श्वेत अंग वस्त्र देखकर एवं लड्डू खिलाकर स्वागत किया। बैठक में आसामाजिक तत्वों से बचने की अपील किया गया। बताते चलें कि दोनों समुदाय के लोगों के द्वारा 2 साल से लगातार आपस में बैठकर पर्व मनाने से पहले शांति बैठक करते हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य शांति स्थापित करना है। पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने कहा कि हम लोगों को माहौल को शांत रखने के लिए एक दूसरे को माफ करने के साथ-साथ छोटी- छोटी चीजों को इग्नोर करने की आवश्यकता है। वहीं मुखिया तकरीमुल्लाह ने कहा कि आसामाजिक व्यक्तियों को बक्सा नहीं जाएगा, उन्हें चिन्हित कर पुलिस के हाथ में सोपा जाएगा। बैठक में मुख्य मुख्य रूप से मुखिया मो तकरीमुल्लाह, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, समाज अध्यक्ष सुभाष ठाकुर, विशाल ठाकुर, सरोज सोनी, महिपाल सोनी, पप्पू खान, मजहर मालिक, मो खुर्शीद, मो गुड्डू मालिक, मो रोहित, नंदकिशोर राणा, विक्रम ठाकुर, पवन ठाकुर, अविनाश राणा, विशाल सिन्हा, अभिषेक ठाकुर, अमन ठाकुर, मो मुस्लिम, मो छोटे, दीपक ठाकुर, अमित ठाकुर, मुकेश ठाकुर, मो बबलू उर्फ फिरोज, पप्पू राणा के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बिष्टुपुर राजस्थान भवन में महासर माता का 43वां मासिक कीर्तन आयोजित

जमशेदपुर। बिष्टुपुर राजस्थान भवन में शहर की धार्मिक संस्था श्री महासर माता परिवार जमशेदपुर (कोल्हान) द्वारा कुलदेवी महासर माता का 43वां मासिक कीर्तन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। साथ ही एवं श्री राणी सती दादी जी का मंगलपाठ किया गया। यजमान संजय भालोटिया और गणेश भालोटिया ने सपत्नी पूजा की और पंडित रामजी पारिक ने पूजा करायी। स्थानीय भजन गायक प्रेम अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, खुशी वर्मा, बंटी चांगिल, जुगल शर्मा द्वारा संध्या में भजनों के माध्यम से कुलदेवी महासर माता का गुणगान किया गया। श्री गणेश वंदना से भजनों का शुभारंभ हुआ। इससे पहले दोपहर में तीन बजे से श्री राणी सती दादी जी का मंगलपाठ हुआ। मंगलपाठ का वाचन भजनों के माध्यम से आमंत्रित कलाकार कोलकाता के चंदन अग्रवाल, कविता अग्रवाल सहित शहर के महावीर अग्रवाल मुन्ना ने संयुक्त रूप से मिलकर किया। दादी जी का मंगलपाठ दोपहर 3 से शाम 7 बजे और कीर्तन शाम 8 बजे से रात 11 बजे तक चला। इसके बाद आरती और प्रसाद का वितरण हुआ। भजन गायकों द्वारा भजनो की प्रस्तुति से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। यह धार्मिक कार्यक्रम गुरूवार को संपन्न हुआ। इसे सफल बनाने में प्रमुख रूप से दीपक भालोटिया, राजेश पसारी, कृष्णा भालोटिया, गोविंद अग्रवाल, अजय भालोटिया, शिव सिंहानिया, टोनी भालोटिया, प्रवीण भालोटिया, दिलीप अग्रवाल, सुनील भालोटिया, विश्वनाथ आदि का योगदान रहा। भक्तों ने कुलदेवी के श्रीचरणों में अपनी हाजरी लगाकर कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

डीसी और एसपी ने जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का किया उद्घाटन

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शुक्रवार को पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का उद्घाटन डीसी मनीष कुमार एवं एसपी निधि द्विवेदी के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पहल जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा क्रिकेट के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर डीसी ने कहा कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन को एक स्थायी कार्यालय मिलने से खिलाड़ियों, कोचों एवं पदाधिकारियों को एक सशक्त एवं संगठित मंच प्राप्त हुआ है, जहां वे अपने विचार, सुझाव एवं योजनाओं को प्रभावी ढंग से साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी खेल के विकास के लिए मजबूत संगठनात्मक संरचना अत्यंत आवश्यक होती है और यह कार्यालय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों को सही दिशा दें तथा उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें, ताकि वे भविष्य में जिले एवं राज्य का नाम रोशन कर सकें।

इस अवसर पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला क्रिकेट संघ के सचिव प्रणय तिवारी, कोच रानु सिंह, खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रामनवमी पर रांची शहर का नजारा

रामनवमी पर रांची के मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़, 'जय श्रीराम' के जयघोष से गुंजा वातावरण

तपोवन मंदिर बना आकर्षण का केंद्र

रांची: रामनवमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची के तमाम मंदिरों में शुक्रवार को सुबह से ही राम भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया. जहां हर ओर जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे. विशेष रूप से राजधानी के पौराणिक और ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला, जो अहले सुबह से ही मंदिर परिसर में पहुंचने लगे थे.

सुबह से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लगी रही कतारें

रांची के तपोवन मंदिर में सुबह से ही लंबी कतारें लग गई, जहां श्रद्धालु धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते हुए भगवान श्रीराम और बजरंगबली की पूजा-अर्चना कर रहे थे. मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला. महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग हर वर्ग के लोग इस पावन अवसर पर भगवान के दर्शन के लिए पहुंचे.

रामनवमी में सुबह है पूजा की विशेष महत्व

रामनवमी के दिन सुबह की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है. इसी वजह से दूर-दराज के इलाकों से भी लोग सुबह-सुबह ही तपोवन मंदिर पहुंच जाते हैं. रांची के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर आकर भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. मंदिर परिसर में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो. प्रशासन और मंदिर समिति की ओर से व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है. वहीं, स्वयंसेवक भी लगातार लोगों को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराने में सहयोग कर रहे हैं.

तपोवन मंदिर है ऐतिहासिक धरोहर

गौरतलब है कि रांची डोरंडा क्षेत्र में स्थित तपोवन मंदिर एक प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहर है. जहां धार्मिक आस्था के साथ-साथ कई ऐतिहासिक पहलू भी जुड़े हुए हैं. यह मंदिर न सिर्फ राजधानी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है. मान्यता है कि यहां पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है. यही कारण है कि हर साल रामनवमी के मौके पर यहां भारी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं.

तपोवन मंदिर पहुंचते हैं अखाड़ों के जत्थे

रामनवमी के अवसर पर शहर के विभिन्न अखाड़ों की भी खास भूमिका होती है. परंपरा के अनुसार, देर रात तक अखाड़ों के जत्थे तपोवन मंदिर पहुंचते हैं. जहां धार्मिक उत्साह के बीच पताको का मिलन और पारंपरिक प्रदर्शन किया जाता है. यह नजारा देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग यहां जुटते हैं. रामनवमी के इस पावन पर्व पर रांची पूरी तरह राममय नजर आया. जहां श्रद्धा, आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला.

रामनवमी पर रांची में उत्साह चरम पर, सड़कों पर जनसैलाब, बाबूलाल मरांडी का दिखा अलग अंदाज

रांची: रामनवमी को लेकर राजधानी रांची में उत्साह चरम पर पहुंच गया है. पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है. क्या आम और क्या खास, हर वर्ग के लोग इस पर्व को अपने-अपने अंदाज में मनाते नजर आ रहे हैं. सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, वहीं सड़कों पर जुलूस और अखाड़ों का प्रदर्शन लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. गुरुवार रात से ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर महावीर पताकाएं लहराती दिखी.

ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'जय श्रीराम' के जयघोष से वातावरण पूरी तरह गूंज रहा है. विभिन्न अखाड़ों द्वारा पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाए जा रहे हैं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर जुटे हुए हैं.

इसी बीच रांची की सड़कों पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी अपने अलग अंदाज में नजर आए. वे अखाड़ा दल के साथ लाठी भांजते हुए दिखे, जिससे रामभक्तों का उत्साह और भी बढ़ गया. उनके इस अंदाज को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और माहौल में जोश और उमंग का संचार हो गया.

रामनवमी के मौके पर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है. शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है. सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जा रही है ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके.

रांची में रामनवमी का पर्व आस्था, परंपरा और उत्साह के संगम के रूप में पूरे भव्यता के साथ मनाया जा रहा है, जहां हर कोई इस उत्सव का हिस्सा बनकर अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहा है.

रामनवमी पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में दिखा भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम

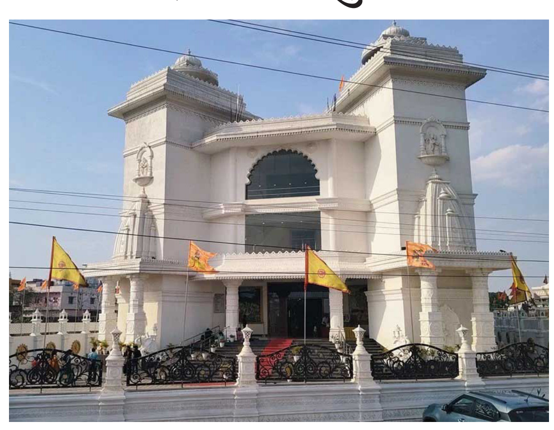

रांची: रांची पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री राधा रानी का अलौकिक एवं आकर्षक श्रृंगार जड़ित आभूषणों से किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। सुसज्जित मंदिर परिसर में भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण के बीच भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने भाव-विभोर होकर भाग लिया।इस अवसर पर महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी भोग को विधिवत रूप से पुजारी पंडित अरविंद पांडे द्वारा अर्पित किया गया। भोग के उपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद एवं शीतल गुलाब शरबत का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर को विशेष रूप से हनुमान जी के ध्वजों से सजाया गया था, जिससे वातावरण और भी आध्यात्मिक एवं उत्सवमय हो उठा। हर ओर 'जय श्री राम' के उद्घोष गूंजते रहे, जिससे श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और समाज में धर्म, आस्था एवं एकता के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया।इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी सुंदर संदेश दिया।

झारखंड में रामनवमी पर मौसम का ट्विस्ट

गरज-चमक, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी

रांची: झारखंड में रामनवमी के मौके पर मौसम ने अचानक करवट ली है. राज्य के कई हिस्सों में दोपहर बाद से ही बादल छाए हुए हैं. मौसम विभाग ने बारिश, वज्रपात, ओलावृष्टि और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया है.

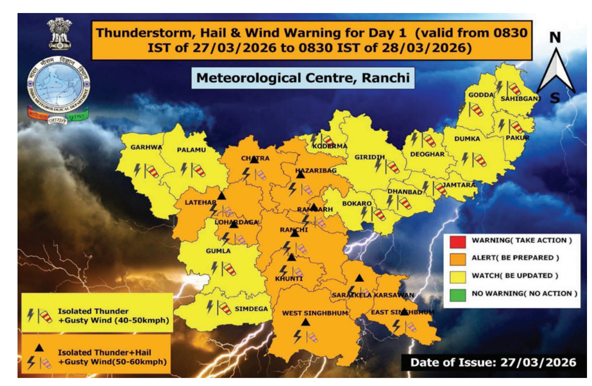

ओलावृष्टि की संभावना

दरअसल, 27 मार्च को पूरे राज्य में आंशिक रूप से घने बादल छाए रहेंगे. कई इलाकों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है. कुछ जगहों पर ओलावृष्टि और वज्रपात भी हो सकता है. इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जिससे रामनवमी के जुलूस और आयोजनों पर असर पड़ सकता है. मौसम का सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर-मध्य, दक्षिण-पूर्व और मध्य झारखंड में देखने को मिल सकता है. लोगों को खास सावधानी बरतने की जरूरत है.

शनिवार और रविवार को मौसम कैसा रहेगा: यदि अगले दिनों की बात करें तो 28 मार्च को भी कई जगहों पर गरज के साथ बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चल सकती है. 29 मार्च को भी मौसम इसी तरह बना रहेगा, जहां 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है. हालांकि 30 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रहने का अनुमान है, लेकिन 31 मार्च और 1 अप्रैल को एक बार फिर मौसम बदल सकता है और कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल सकती हैं.

लोगों को सतर्क रहने की सलाह: तापमान में भी उतार-चढ़ाव जारी रहेगा. अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, इसके बाद 2 से 3 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. वज्रपात के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें और तेज हवाओं के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहे.

लालपुर चोरी कांड का खुलासा: पुलिस के शिकंजे में नाबालिग समेत 4 चोर

रांची: राजधानी रांची के लालपुर इलाके में हुए चोरी कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लालपुर थाना पुलिस ने एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी किए गए गहने व अन्य सामान भी बरामद कर लिए हैं। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए महज 12 साल के नाबालिग की मदद ली जाती थी।

पुलिस जांच में पता चला कि नाबालिग अकेले ही घरों में घुसकर जेवरात और मोबाइल फोन चोरी करता था। चोरी के बाद वह सामान एक कबाड़ी दुकानदार को बेच देता था। इस गिरोह में वही कबाड़ी दुकानदार भी शामिल था, जो चोरी के जेवरात खरीदता था।

मामला लालपुर थाना क्षेत्र के पीएनटी कॉलोनी का है, जहां एक घर से कीमती जेवरात और मोबाइल फोन चोरी किए गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग सहित गिरोह के चार सदस्यों को पकड़ा है। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच जारी है और अन्य मामलों से भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

राजधानी रांची में 28वीं सब-जूनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप संपन्न

राज्यपाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला, कहा- खिलाड़ी देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इनडोर स्टेडियम, मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, होटवार में आयोजित 28वें सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरा चैंपियनशिप 2026 के समापन समारोह में खिलाड़ियों को बधाई दी.

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह अनुशासन, संघर्ष, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी पाठ सिखाते हैं. उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी न केवल अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक भी हैं.

राज्यपाल ने कहा कि सेपक टकरा खेल को देश में नई पहचान मिल रही है और झारखंड इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं. उन्होंने आगे कहा कि खेलो इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से देश में खेलों को नई दिशा और ऊर्जा मिली है, जिससे युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के व्यापक अवसर मिल रहे हैं.

राज्यपाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की असली कुंजी हैं. उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और अन्य प्रतिभागियों को आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने आयोजन समिति, प्रशिक्षकों एवं सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

रांची में रामनवमी जुलूस : सड़कों पर दिखा राम भक्तों का सैलाब

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने तलवारबाजी की, बाबूलाल भी दिखे अखाड़े में

रांची: राजधानी रांची में रामनवमी को लेकर लोगों में गजब का उत्साह और उमंग नजर आ रहा है. शहर का हर कोना भक्ति और आस्था के रंग में रंगा है. क्या आम और क्या खास, हर कोई इस पावन अवसर पर अपने-अपने अंदाज में भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहा है. सड़कों पर निकले जुलूस, अखाड़ों की प्रस्तुति और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है.

रामनवमी जुलूस में कई वीआईपी चेहरे भी आम लोगों के बीच नजर आए. इसी कड़ी में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी रांची के रामनवमी जुलूस में शामिल हुए. अल्बर्ट एक्का चौक के समीप उनका जोश और उत्साह देखने लायक था. हाथों में तलवार लिए उन्होंने पारंपरिक अंदाज में तलवारबाजी कर रामभक्तों का उत्साह बढ़ाया. इस दौरान उन्होंने जय श्रीराम के नारे लगाए और वहां मौजूद लोगों ने भी पूरे जोश के साथ उनका साथ दिया.

रक्षा राज्य मंत्री ने रामनवमी की शुभकामनाएं दी: संजय सेठ ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है. उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ इस पर्व को मनाने की अपील की. उनके इस अंदाज ने वहां मौजूद लोगों के बीच खासा उत्साह पैदा कर दिया.

बाबूलाल मरांडी भी हुए रामनवमी जुलूस में शामिल: वहीं, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी रामनवमी के जुलूस में शामिल हुए. वे भी पूरे उत्साह के साथ अखाड़े के बीच पहुंचे और लाठी भांजा. उनका यह अंदाज लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा. बाबूलाल मरांडी ने भी "जय श्रीराम" के नारों के साथ लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं. बाबूलाल ने कहा कि यह पर्व हमें एकता, संस्कृति और परंपरा से जोड़ता है, जिसे हमें मिलकर आगे बढ़ाना चाहिए.

पूरे रांची शहर की बात करें तो ऐसा लग रहा था मानो पूरा शहर भगवा रंग में रंग गया हो. जगह-जगह महावीर पताकाएं लहरा रही थीं और सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी. खासकर तपोवन मंदिर जाने वाले मार्गों पर भक्तों का सैलाब देखने को मिला. सुबह से ही श्रद्धालु कतारों में लगकर भगवान श्रीराम और हनुमान के दर्शन के लिए पहुंचते रहे.

खराब मौसम बावजूद भक्तों में उत्साह: हालांकि इस दौरान मौसम ने थोड़ी परीक्षा जरूर ली. अचानक आई बारिश और तेज हवा ने कुछ समय के लिए माहौल को प्रभावित किया, लेकिन रामभक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई. बारिश के बावजूद लोग जय श्रीराम के नारों के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ते रहे. कई जगहों पर लोग भींगते हुए भी जुलूस में शामिल रहे.

रांची में 29 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा खजूर पर्व

रांची : ईसाई समुदाय का खजूर पर्व 29 मार्च, रविवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा. इस अवसर पर शहर के प्रमुख चर्च -संत मारिया महागिरजाघर, सीएनआई चर्च बहुबाजार और जीईएल चर्च के बाहर खजूर की डालिए बाजार में बेची जा रही है. रेडिएम रोड के दुकानदारों ने बताया कि वे खजूर की डालियां पैसे के लिए नहीं बेचते हैं. शहर में खजूर के पेड़ नहीं होने के कारण वे लोगों की सेवा के लिए इन्हें उपलब्ध कराते हैं, इसके साथ ही लोग पैसे देते हैं .विश्वासियों की पसंद के अनुसार, दुकानदार खजूर की पत्तियों से विभिन्न प्रकार के फूल और क्रूस बनाकर बाजार में उतारी गई है. इसमें छोटी खजूर की डाली 10 से 30 रुपये में ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं.

जाने क्या है इनका महत्व

यीशु मसीह के नाम से खजूर की डाली बेच रहे हैं.इसको घरों में ले जाकर दरवाजा और घर के पूजा ग्रहों में रखते हैं.ताकि घरों में नकारात्मक शक्तियों से परिवार को बचाए जा सके.पूरे चर्च को खजूर पता से सजाया जाएगा. खजूर की डाली से ही यीशु मसीह का स्वागत किया जाएगा. इसे आने वाले वर्ष 2027 में इसी को जलाये जाएगा और राख बुधवार की शुरुआत की जाएगी. यीशु मसीह के यरूशलेम आगमन की स्मृति में मनाया जाता है. इस दिन श्रद्धालु खजूर की डालियां घर लाकर दरवाजों और पूजा स्थलों में रखते हैं. मान्यता है कि इससे घर और परिवार को नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षा मिलती है.

संक्षिप्त खबरें...

शैक्षणिक भ्रमण के लिए लोहरदगा जिला के छात्र-छात्राएं पलामू प्रमंडल के लिए रवाना

लोहरदगाः राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत शैक्षणिक भ्रमण के लिए लोहरदगा जिला के छात्र-छात्राएं पलामू प्रमंडल के लिए आज रवाना हुए। जिला सीएम उत्कृष्ट नदिया हिन्दू विद्यालय लोहरदगा परिसर से बसों को उपायुक्त डॉ ताराचंद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए लोहरदगा जिला के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 6-8 के 200 मेधावी छात्र-छात्राएं (शिक्षा,खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले व नियमित छात्र-छात्राएं) चयनित किए गए थे। यह शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम तीन दिनों का है। छात्र-छात्राएं इस दौरान लातेहार जिला के बेतला सफारी व पलामू किला, लोध जलप्रपात, नेतरहाट झील, सूर्योदय व सूर्यास्त पॉइंट, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, कोयल पॉइंट व्यू, नाशपाती बगान, चीड़ के जंगल देखेंगे। छात्र-छात्राएं रविवार शाम को लोहरदगा वापस लौटेंगे। आज इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, सांसद के निजी सचिव आलोक साहू, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार व अन्य उपस्थित थे।

खेतको में विद्युत तार की झटके से सात लोग घायल, डॉक्टर ने बताया सभी खतरे से बाहर

कथाराः-पेटरवार प्रखंड अंतर्गत खेतको में रामनवमी त्योहार के अवसर पर शोभा यात्रा के दौरान मंदिर के समीप गुजरी जानकारी अनुसार 1लाख 32 हजार विद्युत तार के पास खड़ा करने के दौरान झटका लगने से छह लोग घायल हो गए आनन फानन में सभी को बीटीपीएस डीवीसी एवं जारंगडीह जनता हॉस्पिटल में प्राथमिक इलाज कराया जहां डॉक्टर ने सभी को खतरे से बाहर बताया ।घायलों में शामिल जानकारी अनुसार गुलाब चंद्र दास, अनिल दास,शुभम दास, सुरेंद्र सिंह,मिथुन शर्मा,मदन नायक, रूद्र कुमार शामिल हैं. घटना की सूचना पाकर बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह, बेरमो एसडीएम मुकेश कुमार मछुआ, एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह, विडियो संतोष महतो, थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा सहित लोगों ने अस्पताल पहुंच घटना की जानकारी ली साथ ही डाक्टरों से घायलों के हालात जाने जहां डॉक्टरों ने सभी की हालत खतरे से बाहर बताया समाचार लिखे जाने तक सभी इलाजरत थे, बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर करने की तैयारी चल रही थी . मौके पर खेतको ग्रामवासी सहित लोग उपस्थित थे।

नशा मुक्ति जागरूकता के लिए आज लुबी सर्कुलर रोड में 'हैप्पी स्ट्रीट' का होगा आयोजन

धनबादः जिला प्रशासन द्वारा 28 मार्च 2026 को लुबी सर्कुलर रोड पर सुबह 6 बजे से नशा मुक्ति जागरूकता के लिए एक विशेष 'हैप्पी स्ट्रीट' जैसे वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक , प्रभात कुमार ने आयोजित होने वाले वृहद नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज उपायुक्त आवासीय कार्यालय में सभी संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

कार्यक्रम में पेंटिंग, झारखंड के पारंपरिक नृत्य, बैंड द्वारा लाइव संगीत, गायन, विभिन्न प्रकार के स्टॉल, योगा, राइफल शूटिंग, साइक्लिंग, स्केटिंग, नुक्कड़ नाटक, हेल्थ कैंप, रक्तदान शिविर, फूड स्टॉल सहित विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम से लोगों को केवल जागरूक ही नहीं बल्कि उन्हें नैतिकता एवं कानून से जुड़े पहलुओं की भी जानकारी दी जाएगी। इससे समाज में नशा के विरुद्ध सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना और समाज में "नशा मुक्त भारत" का संदेश फैलाना है। प्रशासन ने कोयलांचल के लोगों से इस मेगा इवेंट में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

मुख्य कार्यक्रम और गतिविधियाँ,
शारीरिक और खेल गतिविधियाँ ,
योग स्टेज , यहाँ अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया जाएगा।
स्केटिंग , स्केटिंग के शौकीनों के लिए एक समर्पित ट्रैक,
साइकिलिंग , पर्यावरण के प्रति जागरूकता और फिटनेस के लिए साइकिल चलाना,
राइफल , एकाग्रता बढ़ाने के लिए राइफल शूटिंग का अनुभव।
बास्केटबॉल डंक , बास्केटबॉल प्रेमियों के लिए 'डंक' मारने का रोमांचक चैलेंज।
मनोरंजन और खेल बैंड स्टेज , यहाँ लाइव संगीत और बैंड की धुनों का आनंद लिया जा सकता है।
ह्यूमन लूडो , एक विशाल लूडो बोर्ड जहाँ गोटियों की जगह लोग खुद चलते हैं।
डार्ट , सटीक निशाना लगाने का खेल,
कला और साहित्य ,ओपन क्विज़ , सभी के लिए खुली सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
कविता और शायरी , भावनाओं को शब्दों में पिरोने वाले कवियों और शायरों का मंच,
छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता , स्कूली बच्चों के लिए अपनी कला दिखाने का अवसर,पेंट माई सिटी , शहर की सुंदरता को कैनवास पर उतारने की सामूहिक पहल,
सिग्नेचर रोल,बोर्ड , संदेश लिखने या अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए एक विशाल बोर्ड,
स्किट , सामाजिक संदेशों या मनोरंजन पर आधारित छोटे नाटक।
स्वास्थ्य और परामर्श ,
परामर्शदाता , मानसिक स्वास्थ्य और करियर मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों से सलाह,
हेल्थ कियोस्क , बुनियादी स्वास्थ्य जांच (वीपी , शुगर आदि) के लिए एक छोटा स्टाल,
नशा मुक्ति केंद्र, नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए जानकारी और सहायता स्टाल,

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त , सन्नी राज, नगर आयुक्त , आशीष गंगवार, अनुमंडल पदाधिकारी , लोकेश बारंगे, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी , सुनिल कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, जिला खेल पदाधिकारी , उमेश लोहरा, फूड सेफ्टी ऑफिसर , राजा कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

रामनवमी के पावन पर्वः बुढ़मू, ठाकुरगांव में शांतिपूर्ण सम्पन्न, उमेडंडा मेले में 84 मौजा के 108 अखडेधारी हुए शामिल

मुख्यातिथि भाजपा के रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ, भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा हुए शामिल

बुढ़मू : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बुढ़मू,उमेडण्डा व ठाकुरगांव में लगने वाले भव्य रामनवमी मेले का समापन शुक्रवार 27 मार्च को धूमधाम से हो गई, इस दौरान उमेडंडा में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 84 मौजा के 108 अखाडेधारी मेला में हुए शामिल।मेला परिसर जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान था, राँची,हजारीबाग, चतरा, रामगढ जिले से आये हजारो रामभक्तों की आयातित भीड़ से मेला परिसर भरा हुवा था।जिसकी सुरक्षा का कमान एसडीपीओ खलारी आर एन चौधरी,बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन शर्मा, ठाकुर गांव थाना प्रभारी शुभम कुमार व अंचलाधिकारी सचिदानंद वर्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी धीरज कुमार ने संभाल रखी थी, बही मेला समिति के सैकड़ो युवा कार्यकर्ताओं ने भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मोर्चा संभाले हुए थे साथ ही भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा था।दूसरी और मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ, भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश व कॉंग्रेस विधायक सुरेश बैठा के द्वारा फीता काटकर मेले का उद्धघाटन किया। वहीं अपने सम्बोधन में राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ ने कहा की बुढ़मू के उमेडंडा में आयोजित ऐतिहासिक मेले में आने का मौका मिला, राम भक्तो का उत्तशाहवर्धन करने का मौका मिला, श्रीराम के बताये रास्ते पर हमें चलकर भक्ति का परिचय देना है.मेला समिति का धन्यवाद जिनके द्वारा बेहतर आयोजन सफलता पूर्वक किया जाता रहा है.

बताते चले कि यहाँ वर्षो से भव्य आयोजन होता आया है।प्रखंड का मुख्य केंद्र बिंदु उमेडण्डा व बुढ़मू रहा है।जहाँ लाखों की संख्या में रामभक्तों की उपस्थिति होती है. यहाँ 108 अखाडेधारीयों ने अपनी शौर्य का प्रदर्शन किया जिन्हे मेला समिति द्वारा मेडल, शील्ड व तलवार देकर सम्मानित किया गया,इस दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा का अचूक व्यवस्था किया गया था,मेले के दौरान उत्तपातियो पर प्रशासन का पैनी नजर थी.

डॉक्टर सहित अन्य व्यवस्था से लैस था मेला परिसर : दूर दूर से आनेवाले रामभक्तों सहित जुलूस के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से मुश्तैद थे,साथ ही साथ डॉक्टरों की पूरी टीम मेला परिसर में मौजूद थी।जगह जगह पेयजल की भी व्यवस्था किया गया था।और गुड़ - चना आदि का स्टॉल भी लगाकर दूर दराज से आये रामभक्तों की सेवा में कई सामाजिक कार्यकर्ता लगे हुए थे।जिसमें पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष पार्वती देवी,डॉ मदन महतो शामिल थे।दूर दराज से आये अखडेधारियो के द्वारा एक से बढ़कर एक कर्तव्य दिखाया गया।जिन्हे प्रथम,द्वितीय व तृतीय सहित अन्य को तलवार,शील्ड देकर सम्मानित किया गया.

मौके पर महावीर मंडल के अध्यक्ष मोहन जायसवाल मुख्य संरक्षक रत्न प्रकाश सिंह, सुनील साहू, प्रदीप साहू, अरुण यादव, रोहित उरांव, विजय मल साहू, सुदामा नायक, शिव नंदन मुँडा, चीकू साहू, कुलदीप साहू, पवन राम, संजू साहू, चंद्रदीप साहू, प्रभात साहू, मीतराम साहू, परवल पहान मौजूद थे.

ओरमांझी में रामनवमी मेला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, झाँकिया रही आकर्षण का केन्द्र

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्श जीवन से लें प्रेरणा- आदित्य प्रसाद साहू

ओरमांझी (मोहसीन आलम): मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला सनातन धर्म का पवित्र पर्व रामनवमी ओरमांझी क्षेत्र में शुक्रवार को धूमधाम,उल्लास एवं आपसी सौहार्द्र के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ओरमांझी बाजार टांड़ में ओरमांझी पूजा समिति के सौजन्य से झंडा मिलन सह अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के विभिन्न गांवों से पहुंचे रामभक्तों ने आकर्षक वेशभूषा एवं झांकियों के माध्यम से लोगों का मन मोह लिया। झांकियों में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता एवं राक्षसों के रूप धारण किए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके साथ ही कई गांवों की झांकियों में पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेश भी प्रस्तुत किए गए। महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे रामनवमी के भजनों पर नाचते-गाते हुए मेला स्थल पहुंचे और अपनी कला का प्रदर्शन किया।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ओरमांझी थाना प्रभारी शशि भूषण चौधरी अपनी टीम के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहे। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, झारखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया, अंचल अधिकारी उज्ज्वल सोरेन, थाना प्रभारी शशि भूषण चौधरी एवं जिला परिषद सदस्य सरिता देवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं सुंदर झांकियां प्रस्तुत करने वाले गांवों को पूजा समिति की ओर से मोमेंटो, तलवार, भाला एवं लाठी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ओरमांझी पूजा समिति के अध्यक्ष रामकुमार महतो, सचिव दीपक बड़ाईक,कोषाध्यक्ष उमाशंकर साहू, उपाध्यक्ष अजय सिंह,संतोष कुशवाहा,कुलदीप तिवारी, एवं संतोष गुप्ता सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर नंद गोपाल साहू, पूर्व उप प्रमुख जय गोविंद साहू, संतोष कुमार गुप्ता, सतीश बड़ाईक, दिलीप मेहता,समुन्दर पहान,अशोक गुप्ता, विधायक सलाहकार रामेश उरांव समेत विभिन्न गांवों से पहुंचे महावीर मंडल के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिव शिष्य परिवार ने श्रद्धालुओं का किया गरमजोशी से स्वागत, बाँटे शरबत,चना,गुड़ कोलड्रिंक

ओरमांझी। पवित्र पर्व रामनवमी के अवसर पर शुक्रवार को ओरमांझी क्षेत्र में भव्य रामनवमी मेला एवं शोभायात्रा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। जुलूस में शामिल रामभक्तों की भारी भीड़ ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मेला एवं जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शिव शिष्य परिवार, ओरमांझी की ओर से विशेष व्यवस्था की गई। उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस दौरान जुलूस में शामिल रामभक्तों के लिए सेवा भाव से पानी, शरबत, चना, गुड़ एवं कोल्ड ड्रिंक का वितरण किया गया। तेज धूप और गर्म मौसम को देखते हुए यह व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए काफी राहतभरी रही। सेवा कार्य में संगठन के कई सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता ने कहा कि रामनवमी का पर्व हमें मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारा और एकता का संदेश प्रसारित होता है।

मेला स्थल पर सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क नजर आया। स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

पूरे आयोजन के दौरान "जय श्री राम"के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा, जिससे क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। रामनवमी मेला ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक समरसता का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।इस अवसर पर पुष्पांजली देवी , बिना देवी अनीता देवी , पिंकी देवी, अनिता कुमारी, लक्ष्मी देवी, सावित्री देवी, बसंती देवी, प्रियंका देवी, खुसबू देवी, सुनैना देवी रेखा देवी आदि उपस्थित थे।

मांडर-चान्हो में रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, शोभा यात्रा व मेले में दिखा उत्साह

मांडर/चान्होः मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी के अवसर पर शुक्रवार को मांडर एवं चान्हो प्रखंड में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल छाया रहा।

प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद अलग-अलग स्थानों से भव्य शोभा यात्राएं एवं आकर्षक झांकियां निकाली गईं। इन शोभा यात्राओं में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे क्षेत्र में जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु भगवा झंडा लेकर "जय श्री राम" के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

शोभा यात्रा के दौरान डीजे पर बज रहे सहनाज अख्तर के भजनों पर युवा और श्रद्धालु जमकर झूमते नजर आए। वहीं विभिन्न चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल एवं गुड़ की व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और लगातार क्षेत्र में पेट्रोलिंग करते नजर आया।

रामनवमी के उपलक्ष्य में मांडर के सोसाई स्थित मैदान में महावीर मंदिर रामनवमी समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले का आयोजन किया गया। मेले में अस्त्र-शस्त्र चलन प्रतियोगिता का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों के अखाड़ों ने भाग लेकर अपने कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में मांडर, काटचाचो, हेसमी, कंजिया एवं सोसाई गांव के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को महावीर मंदिर समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा मांडर प्रखंड के विभिन्न गांवों में भी मेले एवं पारंपरिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में रामनवमी का पर्व भाईचारे, सौहार्द और उल्लास के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

पहला कदम स्कूल में रामनवमी उत्सव भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न

धनबादः नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों के विशेष स्कूल पहला कदम में दिनांक 27 मार्च शुक्रवार को रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया।

रामनवमी हिन्दू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जिसे भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यह पर्व हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है।इस पावन अवसर पर स्कूल के बच्चों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में सुसज्जित होकर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों की भावपूर्ण अभिनय और आकर्षक वेशभूषा ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुतियों को देखकर पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और दर्शक भाव विभोर हो उठे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं शिक्षकों ने मिलकर भगवान श्रीराम की आरती की और प्रसाद वितरण किया गया। पूरे स्कूल परिसर में श्रद्धा, उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।स्कूल की सचिव श्रीमती अनीता अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

इस अवसर पर स्कूल के सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।पहला कदम परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री श्री प्रताप दल में अभिषेक सिंह को अंगवस्त्र, पगड़ी व तलवार देकर किया सम्मानित

धनबादः पुलिस लाइन, मायरा पाड़ा में श्री श्री प्रताप दल अखाड़ा समिति के समारोह में रामनवमी के दिन शुक्रवार को मुख्य अतिथि अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डु सिंह शामिल हुए। सभी धनबाद वासियो एवं अखाड़ा दल के सदस्यों को रामनवमी की बधाई एवं शुभकामनाये दी। समिति के लोगो ने अभिषेक सिंह को अंगवस्त्र पगड़ी पहना कर और तलवार देकर उन्हें सम्मानित किया। अखाड़ा में दल के खिलाड़ियों ने लाठी, बाना तलवार व पारंपरिक शास्त्रों के साथ खेलों का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। मौके पर पर समिति के अध्यक्ष, बबन यादव समेत सभी सदस्य अखाड़े को सफल बनाने में उपस्थित थे.

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक संपन्न

पाकुड़ः जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक शुक्रवार को डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला योजना अनाबद्ध निधि योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उपलब्ध आवंटन से लगभग 282.594 लाख की योजनाओं पर घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न नई योजनाओं को भी अनुमोदन दिया गया। बैठक के दौरान डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व से संचालित सभी लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो योजनाएँ भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी हैं, उनके भुगतान के लिए आवश्यक राशि की अधियाचना समय पर सुनिश्चित की जाए।

एनआईटी जमशेदपुर में एआईईआई 2026 का भव्य उद्घाटन

जमशेदपुर । इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एआई इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन (AIEI 2026) का आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, शोधकर्ता एवं उद्योग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सुनील कुमार, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग रहे। अपने संबोधन में उन्होंने तकनीकी प्रगति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्रीय विकास के लिए नवाचार-आधारित अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं विशिष्ट अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। प्रो. (डॉ.) गौतम सूत्रधार, निदेशक, एनआईटी जमशेदपुर ने सभा को संबोधित करते हुए संस्थान की उत्कृष्ट शोध एवं वैश्विक सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर डॉ. मधु सिंह, अध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी जमशेदपुर ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए और वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान हेतु एआई आधारित अनुसंधान एवं बहुविषयी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में प्रो. राजीव श्रीवास्तव, निदेशक, IIIT रांची; प्रो. एन. पी. पाध्य, निदेशक, MNIT जयपुर (ऑनलाइन) ; डॉ. एंडी चेन, अध्यक्ष, IEEE सिस्टम्स काउंसिल (ऑनलाइन); डॉ. त्रिदिबेश नाग, सचिव, IEEE कोलकाता सेक्शन; तथा शुभमोय चक्रबर्ती, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, ABP प्रा. लि. सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार साझा किए।

सम्मेलन का नेतृत्व जनरल चेयर डॉ. वी. पी. मीणा, एनआईटी जमशेदपुर एवं चेयर, IEEE सिस्टम्स काउंसिल सिस्टम्स एजुकेशन टेक्निकल कमेटी तथा प्रो. केसी संतोष, संस्थापक निदेशक, USD आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ डकोटा, अमेरिका द्वारा किया जा रहा है। आयोजन समिति में डॉ. दिनेश कुमार (CSE), डॉ. मृणाल कांति सरकार (EE), डॉ. सूर्य प्रकाश (EE), डॉ. स्वगतदेब साहू (ECE), डॉ. मृत्युंजय राउत (ECE), डॉ. संजय कुमार (EE) एवं डॉ. सुप्रियो दास (EE) आयोजक अध्यक्ष/सचिव के रूप में शामिल हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. मृणाल कांति सरकार, आयोजक अध्यक्ष ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. सूर्य प्रकाश, आयोजक सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मेलन के प्रथम दिन प्रो. बिप्लब भट्टाचार्य (आईआईटी आईएसएम धनबाद) एवं शुभमोय चक्रबर्ती (CTO, ABP प्रा. लि.) द्वारा दो मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उभरते रुझानों एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई। "सिक्योर एआई में ट्रस्ट के लिए इंजीनियरिंग" विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें सुदीप्तो जेना, सत्य प्रिय दास एवं नारायण बसाक ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया तथा इसका संचालन शुभमोय चक्रबर्ती ने किया। इस चर्चा में विश्वसनीय, नैतिक एवं सुरक्षित एआई प्रणालियों के विकास के महत्व पर जोर दिया गया। सत्रों में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों की उत्साहपूर्ण भागीदारी एवं सार्थक संवाद देखने को मिला। सम्मेलन आगामी दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें विभिन्न विषयों पर मुख्य व्याख्यान, पैनल चर्चाएं एवं तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नवाचार के विविध आयामों को समाहित करेंगे।

संक्षिप्त खबरें...

रामनवमी पर पटना के जल्ला हनुमान मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

फुलवारीशरीफ. पटना सिटी के जल्ला हनुमान मंदिर में रामनवमी के अवसर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। मंदिर के कपाट शुक्रवार सुबह 4 बजे खोल दिए गए, ताकि सुबह से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं के लिए 2500 किलोग्राम नैवेद्यम का स्टॉक किया गया है। प्रबंधन ने आश्वस्त किया है कि जरूरत पड़ने पर नैवेद्यम की कोई कमी नहीं होगी।

रामनवमी पूजा के लिए बांस काटते समय लगा करंट; मौत:बेगूसराय में गन्ना मंत्री बोले- मुआवजा मिलेगा

बेगूसराय. बेगूसराय में रामनवमी के पूजा के लिए बांस काटते समय हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की आज मौत हो गई। घटना नावकोठी थाना क्षेत्र टेकनपुरा गांव की है। मृतक की पहचान वार्ड नंबर-11 के रहने वाले अमर शंकर सिंह के बेटे अविनाश कुमार (30) के रूप में किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। अविनाश कुमार के घर में रामनवमी के अवसर पर ध्वजारोहण किया जाता है। इसके लिए आज वह बांस काटने गया था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आने से वह तड़पने लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना दी, तो परिजन मौके पर पहुंचे और उठाकर घर ले जाएगा। पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक और बिहार सरकार के गन्ना मंत्री संजय पासवान सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों से घटना से की जानकारी ली। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से बातकर मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की और कहा है कि विभाग की लापरवाही से मौत हुई है।

गोपालगंज में बाइक टक्कर से वृद्ध की मौत

गोपालगंज. गोपालगंज के मांझागढ़ थाना क्षेत्र में दानापुर एनएच 27 के पास सड़क पार कर रहे 65 वर्षीय वृद्ध किशोरी साह की तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मौत हो गई। किशोरी साह दानापुर गांव निवासी स्वर्गीय नागा साह के बेटे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में देखा जा सकता है कि वृद्ध व्यक्ति पैदल सड़क पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वृद्ध हवा में उछलकर दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल वृद्ध को मॉडल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। हालांकि, गोरखपुर पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी 3 साल की हुई

पटना. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी तीन साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर पटना स्थित राबड़ी आवास के बाहर एक बड़ा और आकर्षक पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री यादव और उनके दोनों बच्चे कात्यायनी और इराज नजर आ रहे हैं। साथ ही कात्यायनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं। यह पोस्टर राहगीरों और समर्थकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। बता दें कि पिछले साल कात्यायनी का जन्मदिन लालू परिवार ने काफी भव्य तरीके से मनाया था। उस दौरान पूरा परिवार कोलकाता गया था, जहां शानदार अंदाज में बर्थडे सेलिब्रेशन हुआ था। परिवार के सदस्यों ने इस खास दिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तेजस्वी यादव अक्सर अपनी बेटी के साथ बिताए पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं।

मुजफ्फरपुर में रेल रनिंग स्टाफ का प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर. 'ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन' के आह्वान पर देशभर में रेल रनिंग स्टाफ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। दिल्ली के जंतर-मंतर सहित अलग-अलग रेल क्रू लॉबी में यह प्रदर्शन हुआ। इसी कड़ी में, मुजफ्फरपुर क्रू लॉबी के सामने भी रनिंग स्टाफ ने शांतिपूर्ण धरना दिया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता करते हुए कॉमरेड रमेन्द्र कुमार ने रेल प्रशासन पर रनिंग स्टाफ के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि जहां अन्य रेल कर्मचारियों के यात्रा भत्ते में 25%की बढ़ोतरी की गई है, वहीं रनिंग स्टाफ के किलोमीटर भत्ते में केवल 14%की बढ़ोतरी की गई है। इसे उन्होंने अन्यायपूर्ण बताया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में किलोमीटर भत्ते में अन्य भत्तों के समान 25% की वृद्धि करना शामिल है। इसके अलावा, वे किलोमीटर भत्ते के 70%हिस्से को आयकर से मुक्त करने की भी मांग कर रहे हैं। अन्य मांगों में रनिंग स्टाफ से 9 घंटे से अधिक ड्यूटी न लेने और मुख्यालय वापसी 36 घंटे के भीतर सुनिश्चित करने की मांग की गई है। सुरक्षा कारणों से लोको पायलटों से लगातार दो रात्रियों से अधिक काम न लेने पर भी जोर दिया गया।

बिक्रम में कट्टा-कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

बिहटा. पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के बिक्रम थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने अपराधी के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और दो गोली के खोखे बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान संत रजक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में था। पटना पश्चिम के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने इस पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, बीते देर रात्रि विक्रम थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बिक्रम थाना क्षेत्र के गोरखरी गांव में 1 अपराधी के घर पर अवैध हथियार और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि, विक्रम थानाअध्यक्ष के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और पुलिस ने छापेमारी की। मौके से संत रजक नामक अपराधी को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस दो गोली का खोखा बरामद किया गया है। फिलहाल गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ की जा रही है और उसका आपराधिक इतिहास निकाला जा रहा है साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आखिरकार हथियार उसके पास कैसे आया और कौन सी बड़ी घटना को अंजाम देने में लगा हुआ था। इसी बीच पालीगंज थाना क्षेत्र में वर्ष 2025 में हुए हत्या मामले में फरार मुख्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। धरहरा मोड़ के पास हुई हत्या के मामले में नामजद लालू चौहान को बालापर गांव से पकड़ा गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

30 लोगों का बिल बकाया, पूरे गाव की बिजली काटी

बेतिया (पश्चिमी चंपारण). नरकटियागंज प्रखंड के तुमकड़िया गांव में पिछले चार दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इससे गांव के करीब ढाई सौ घरों में अंधेरा छाया हुआ है और ग्रामीण परेशान हैं। भीषण गर्मी की शुरुआत में बिजली न होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, 23 मार्च को नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों ने गांव पहुंचकर मुख्य पोल से बिजली कनेक्शन काट दिया था। इस दौरान ग्रामीणों और कर्मचारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई थी। इसके बाद से पूरे गांव की बिजली आपूर्ति बंद है। बिजली न होने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं, गांव में संचालित दो छोटे उद्योग भी ठप हो गए हैं। प्रधानमंत्री एफएमई योजना के तहत चल रही रोशनी एंटरप्राइजेज और ज्योति फैब्रिकेशन इकाई बिजली के अभाव में बंद पड़ी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 30 उपभोक्ताओं के बकाया बिल के कारण पूरे गांव को दंडित किया जा रहा है, जो अनुचित है। एक उपभोक्ता ने यह भी बताया कि बिजली कार्यालय में बिल जमा करने पहुंचने पर उसे यह कहकर लौटा दिया गया कि वह तुमकड़िया गांव का निवासी है।

औरंगाबाद में चाचा ने 3 भतीजे-भतीजी का गला काटकर मार डाला: मोबाइल दिखाने लाया, रूम लॉक किया; फुल साउंड में गाना बजाकर हत्याएं कीं

2 भाई, 1 बहन का गला चाचा ने काटा, अपनी गर्दन भी रेता, गंभीर

औरंगाबाद . औरंगाबाद में ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया है। यहां शुक्रवार को एक चाचा ने तीन भतीजे-भतीजी की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी गला काटकर सुसाइड करने की कोशिश की। उसकी हालत भी गंभीर बनी है। उसे पटना रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान अनीश कुमार (10), आयुष कुमार (7) और अनुष्का कुमारी (5) के रूप में हुई है। घटना हसपुरा थाना क्षेत्र के खुटहन गांव की है।

गेट खोलने में देरी हुई तो बच्चों का काटा गला

घटना सुबह 10 बजे की है। बच्चों के पिता गुड्डू ट्रेन में पैंट्री कार में खाना बनाने का काम करते हैं। वो वारदात के वक्त ड्यूटी पर थे। घर में मां और 3 बच्चे ही थे। बताया जा रहा है कि बच्चों का चाचा शुक्रवार की सुबह घर से बाइक पर सवार होकर कहीं निकला था। जब घर पहुंचा तो दरवाजा खटखटाया। उसकी भाभी अनीता देवी नहा रही थी। जिसके कारण दरवाजा खोलने में देरी हुई। दरवाजा खोलने के बाद वह घर में घुसा और फुल साउंड में स्पीकर बजाकर बड़े चाकू से तीनों बच्चों का बारी-बारी से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद का भी गला काट लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी की अभी शादी नहीं हुई है। इसी बात को लेकर भाभी से झगड़ा होता रहता था। बच्चों की मां नहाने के बाद जब उनके कमरे में गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। स्पीकर की तेज आवाज आ रही थी। काफी चिल्लाने के बाद भी दरवाजा अंदर से नहीं खुला। महिला ने पड़ोसियों की मदद ली। उसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। कमरे की हालत देखकर सभी सन्न रह गए। तीनों बच्चे जमीन पर पड़े थे। उनके गले से खून निकल रहा था। बच्चों को उठाने की कोशिश की गई, लेकिन किसी ने रिस्पॉन्स नहीं किया। तब पड़ोसी समझ गए कि सभी बच्चों ने दम तोड़ दिया है। आरोपी ने भी अपना गला रेता था, लेकिन दर्द की वजह से वो अपना गला पूरी तरह रेत नहीं पाया। लोगों ने जब उसे हिलाया तो वो दर्द से कराहने लगा। गांव वाले उसे तुरंत उठाकर सदर अस्पताल ले गए। उसकी हालत को देखते हुए आरोपी चाचा को पटना रेफर कर दिया गया है।

पड़ोसी बोले- बच्चे रोज हमारे सामने खेलते थे

पड़ोस में रहने वालों ने बताया कि अंदर घुसते ही दूसरे वाले कमरे में 4 लोग जमीन पर पड़े थे। अंदर का नजारा दहला देने वाला था। वो बच्चे हमारे सामने रोज खेला करते थे। अंकल-अंकल कहते थे। जमीन पर 3 बच्चे थे और एक उनका चाचा पड़ा था। सभी के गले से खून बह रहा था। पहले लगा कि सब मर चुके हैं। थोड़ी देर बाद चाचा की सांस चलती दिखाई दी। आसपास के लोगों की मदद से हमने उसे अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्चों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई।

मोबाइल दिखाने के बहाने बच्चों को ले गया

गांव वालों ने बताया कि, उसने बच्चों को मोबाइल दिखाने के बहाने घर में बुलाया था। इसके बाद दरवाजा को बंद कर दिया। अंदर कुंडी लगाने के बाद ताला लगा दिया। दरवाजे के पास आरोपी ने ड्रम रख दिया था, ताकि कोई खोलना चाहे तो ना खोल सके। शोर सुनकर हमलोग पहुंचे। उसका दिमाग बिल्कुल ठीक था। घर में रविवार को सास-बहू में झगड़ा हुआ था। देवर से झगड़ा नहीं हुआ था। वो अक्सर शराब पीता था। तीनों बच्चों के शव एक कमरे से मिले हैं। बॉडी एक साथ ही पड़ी थी। तीनों के गले पर गंभीर घाव हैं। कमरे में चारों ओर खून बिखरा है। पास ही चाचा भी पड़ा है। उसके भी गले से खून निकल रहा है। पास ही बड़ा सा चाकू दिखाई दे रहा है। साउंड बॉक्स भी टूटा पड़ा है। जिस तरह मर्डर किए गए हैं उससे समझ आता है कि आरोपी ने तीनों बच्चों की हत्या का प्लान पहले ही बना लिया था। घर में घुसने के बाद उसने बच्चों को घर में बंद किया। इसके बाद तेज आवाज में स्पीकर बजाने लगा और फिर एक-एक बच्चों को पकड़ने के बाद उसका गला रेत डाला। स्पीकर बजाने के पीछे आरोपी का मकसद ये था कि कोई बच्चों की आवाज ना सुन पाए।

डॉक्टर बोले- चाचा की हालत गंभीर है

चाचा का इलाज करने वाले डॉक्टर संजय कुमार ने बताया, उसका गला कटा हुआ था। गले पर गंभीर घाव था। देखकर लगता है कि किसी शार्प ऑब्जेक्ट से हमला किया गया है। उसकी स्थिति अभी ठीक नहीं है। हमने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया है। शादी को लेकर मर्डरः आरोपी चाचा की अब तक शादी नहीं हुई थी। आसपास के लोगों की माने तो इसे लेकर वो अक्सर भाई-भाभी से झगड़ा करता था। पुलिस को शक है कि इस हत्याकांड के पीछे ये भी वजह हो सकती है। प्रॉपर्टी को लेकर विवादः गांव वालों की माने तो दोनों भाइयों में प्रॉपर्टी को लेकर भी विवाद चल रहा था। हत्या को लेकर पुलिस प्रॉपर्टी विवाद के एंगल पर भी जांच कर रही है। पारिवारिक झगड़ाः आसपास के लोगों की माने तो घर में दोनों भाइयों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। पुलिस परिवार से बात कर के वजह तलाश रही है।

छपरा में सरयू नदी में डूबे भाई-बहन... गैस खत्म होने पर लकड़ी काटने गए 3 की मौत

छपरा. सारण में शुक्रवार को सरयू नदी में डूबने से एक ही परिवार के 3 बच्चों की मौत हो गई। गांव के लोगों ने बताया कि उन लोगों के घर गैस खत्म हो गई थी। 2 दिन से खाना नहीं बना था। परिवार लकड़ी काटने नदी के पार गया था। थोड़ी देर बाद बच्चे घाट पर पानी पीने आए थे। इसी दौरान एक बच्चे का पैर फिसल गया। उसे बचाने के दौरान तीन बच्चे डूब गए। मृतकों की पहचान मटियार गांव के पप्पू महतो के 10 साल के बेटे गुंजन कुमार, उनकी बेटी रागिनी कुमारी और रिश्तेदार कृष्णा महतो की 13 साल की बेटी प्रियांशु कुमारी के रूप में हुई है। तीनों बच्चे आपस में मौसेरे भाई-बहन थे। घटना मांझी प्रखंड के मटियार गांव की है।

7 बच्चे कुल्हाड़ी लेकर लकड़ी काटने गए थे

मृतक गुंजन के बड़े भाई ने बताया, घर में कई दिनों से गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। खाना बनाने में परेशानी हो रही थी। आज सुबह करीब 8 बजे गांव के 7 बच्चे कुल्हाड़ी लेकर लकड़ी काटने दियारा इलाके में गए थे। लकड़ी काटने के दौरान गुंजन कुमार को प्यास लगी। वो पानी पीने के लिए सरयू नदी में उतरा, लेकिन अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। अपने भाई को डूबता देख, उसकी बहन रागिनी कुमारी उसे बचाने के लिए नदी में कूद गई, लेकिन वह भी संतुलन खोकर डूबने लगी। दोनों को डूबता देख, उनकी मौसेरी बहन प्रियांशु कुमारी भी बचाने के प्रयास में नदी में उतर गई, लेकिन वह भी गहरे पानी में चली गई और तीनों डूब गए। गुंजन का बड़ा भाई और एक अन्य युवक भी उन्हें बचाने के लिए नदी में उतरे थे, लेकिन वे किसी तरह खुद को बचाकर बाहर निकल आए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत खोजबीन शुरू की। लगभग 45 मिनट की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव घटनास्थल से करीब 100 मीटर के दायरे में बरामद किए गए। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। एक साथ तीन मासूम बच्चों की मौत से गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और हर तरफ चीख-पुकार गूंज रही है। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए छपरा भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 2 दिन का ज्ञान शिखर सम्मेलन

शेखपुरा. शेखपुरा के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को दो दिवसीय ज्ञान शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। "इनोवेटिंग फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचरः कल्टीवेटिंग अ सक्सेस माइंडसेट, एंटरप्रेन्योरशिप एंड एकेडमिक एक्सीलेंस" शीर्षक वाले इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत भविष्य के लिए नवाचार, सफलता की मानसिकता, उद्यमिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में बीएचयू, वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर और निदेशक डॉ. एस.एन. उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ सम्मान अतिथि के तौर पर एकेटीयू लखनऊ के पूर्व कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा और आईआईटी बीएचयू, वाराणसी के डॉ. आर.के. मिश्रा भी मौजूद थे, जो एआईसीटीई कमेटी के सदस्य और ह्यूमैनिस्टिक स्टडीज के संस्थापक एचओडी भी हैं। कॉलेज के सभी फैकल्टी सदस्य और स्टाफ भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सम्मेलन का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. संदीप तिवारी ने किया। उन्होंने मुख्य अतिथि और सम्मान अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्य ने अतिथियों के समृद्ध शैक्षणिक और प्रशासनिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को प्रेरित किया। इसके बाद, सम्मान अतिथि प्रोफेसर डॉ. पी.के. मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कई महान व्यक्तित्वों और वास्तविक जीवन के नायकों के उदाहरणों से प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. एस.एन. उपाध्याय ने अपनी विशिष्ट शैली में छात्रों का मार्गदर्शन किया, जबकि प्रोफेसर डॉ. आर.के. मिश्रा ने व्यक्तिगत विकास के महत्व पर जोर दिया। अतिथियों के भाषणों के बीच छात्रों ने विभिन्न युगल और समूह नृत्यों का प्रदर्शन किया और गीत गाए, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। सत्र का समापन डीन एकेडमिक डॉ. जयशंकर प्रसाद केशरी के भाषण के साथ हुआ। कॉलेज प्रबंधन ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

30 को एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे नीतीश:स्पीकर बोले- 6 महीने तक सीएम रह सकते हैं; जदयू ऑफिस में निशांत की नेताओं के साथ बैठक

पटना. जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार 30 मार्च को एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे। इधर, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी बयान सामने आया। उन्होंने कहा, संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का सीएम रह सकता है। इधर, मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार ने जदयू ऑफिस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

संजय झा बोले- 30 को इस्तीफा देंगे नीतीश

जदयू ऑफिस पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, नीतीस 30 मार्च को एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे। ये एक सामान्य प्रक्रिया है और 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। दरअसल, नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं, जिसके बाद उन्हें विधान परिषद की सदस्यता छोड़ना अनिवार्य हो गया है। नीतीश कुमार को केवल विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी है, मुख्यमंत्री पद से नहीं। वे चाहें तो अगले छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बने रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि 29 मार्च तक बिहार विधानसभा और विधान परिषद की छुट्टी है, ऐसे में 30 मार्च को उनके इस्तीफे की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। वहीं, नीतीश कुमार जारी रखेंगे। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा, संविधान के तहत कोई भी माननीय सदस्य निर्वाचन के 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। नीतीश कुमार निर्वाचित हो गए हैं और नितिन नवीन को भी 30 मार्च तक इस्तीफा देना पड़ेगा। संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का सीएम रह सकता है। निशांत कुमार आज पार्टी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने नेताओं के साथ बैठक की। निशांत ने कहा, आज जेडीयू ऑफिस आया हूं। जिला अध्यक्षों के साथ आज मैं बैठक की। पिताजी की नीतियों को कैसे जन जन तक पहुंचाया जाए। संगठन को कैसे और मजबूत किया जाए। इसपर चर्चा हुई है।

वैशाली में तीन युवतियां डूबीं, एक का शव मिला:बहन समेत एक अन्य की तलाश जारी, 4 माह की गर्भवती थी महिला

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली में चैत्र नवरात्र के अवसर पर गंगा स्नान के दौरान 6-7 महिला और युवतियां गंगा नदी में डूबने लगीं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से कई महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इस घटना में एक युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान नयागांव बरियारपुर गांव निवासी रिट्ठु राय की 18 वर्षीय बेटी सीमा कुमारी के रूप में हुई है। वहीं, घटना में स्व रिट्ठु राय की दूसरी बेटी सोनी कुमारी और उपेंद्र राय की बेटी आंचल अब भी लापता बताई जा रही हैं, जिनकी तलाश जारी है। घटना देसरी थाना क्षेत्र के गनियारी में सुबह 7 बजे हुई। सोनी कुमारी की सास ने बताया कि मेरी बहू चार दिन पहले मायके आई थी। घर वालों के मना करने पर भी वो सुबह घाट पर स्नान करने गई थी। वहीं पर वो डूब गई, 5 घंटा बीत जाने के बाद भी अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ की टीम भी खोजबीन करने के लिए अभी तक नहीं पहुंची है। सोनी का एक डेढ़ साल का बच्चा

है और वो 4 माह की गर्भवती भी थी। सोनी कुमारी के पति रौशन कुमार ने बताया कि सोनी कुछ दिन पहले भाई के साथ मायके आई थी। कल रात आखिरी बार मेरी उससे बात हुई थी। उसने कहा था आप कल आ जाइएगा मैं घर चलूंगी। सुबह मैं यहां आने के लिए तैयार ही था कि फोन पर मुझे बताया गया की सोनी की डूबने से मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही देसरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। बताया जा रहा है कि सभी महिलाएं चैत्र नवरात्र के अवसर पर गंगा स्नान करने गई थीं, इसी दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। वहीं जानकारी मिलते ही देसरी थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही देसरी प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार भी भागे-भागे मौके पर पहुंचे है। पुलिस ने सीमा की बॉडी को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। घटना की जानकारी SDRF की टीम को दी गई है। हालांकि की स्थानीय गोताखोर और नाविक द्वारा शव की खोज की जा रही है। घटना के 5 घंटे बीत चुके के लेकिन एसडीआरएफ घटना स्थल नहीं पहुंची है।

बिहारी सिंगर के गाने पर झूमे आईपीएस कपल: यूपी के चर्चित आईपीएस केके बिश्नोई-अंशिका वर्मा की सगाई; 'हीरोइन हो हीरोइन' सॉन्ग पर किया डांस

पटना. उत्तर प्रदेश के चर्चित आईपीएस केके बिश्नोई और अंशिका वर्मा की सगाई हो गई है। सगाई के दौरान आईपीएस केके बिश्नोई भोजपुरी गाने पर जमकर नाचे। स्टेज पर 'हीरोइन हो हीरोइन' गाना बजाया गया। इस गाने पर केके बिश्नोई थिरकते नजर आए। वहीं आईपीएस अंशिका वर्मा ने भी कई गानों पर जमकर डांस किया। दरअसल, PS केके बिश्नोई और अंशिका वर्मा की गुरुवार रात संभल में सगाई हुई। दोनों ने एक-दूसरे को रिंग पहनाई। फिर एक-दूसरे का हाथ थामा और हवा में लहराकर खुशी का इजहार किया। दोनों ने एक-दूसरे को गले

भी लगाया। आईपीएस जिस गाने पर थिरक रहे थे, उसे बिहार के बक्सर के रहने वाले नीलकमल ने गाया है। नीलकमल भोजपुरी इंडस्ट्री के उभरते सितारे हैं। आईपीएस अंशिका वर्मा (30) और आईपीएस केके बिश्नोई (32) की पहली मुलाकात साल-2023 में गोरखपुर में पोस्टिंग के दौरान हुई थी। बिश्नोई गोरखपुर में एसपी सिटी थे। यहीं पर अंशिका अंडर ट्रेनिंग आईपीएस ऑफिसर थीं। यहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। अब दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। केके बिश्नोई यूपी कैडर के 2018 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वह राजस्थान के बाड़मेर जिले के धोरीमना गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में संभल में एसपी के पद पर तैनात हैं। जबकि, अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अफसर हैं। बरेली में एसपी के पद पर तैनात हैं। अंशिका प्रयागराज के सिविल लाइन इलाके की रहने वाली हैं। अंशिका वर्मा प्रयागराज की रहने वाली हैं। अंशिका ने अपनी शुरुआती पढ़ाई नोएडा में की थी। साल 2014 से 2018 तक गलगोटिया कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से बीटेक किया था। यूपीएससी परीक्षा के दूसरे अटेम्प्ट में 136वीं रैंक हासिल की थी। अंशिका के पिता अनिल वर्मा यूपी विद्युत निगम लिमिटेड से रिटायर्ड कर्मचारी हैं। मां वंदना वर्मा हाउस वाइफ हैं। अंशिका की पहली पोस्टिंग 2021 में फतेहपुर सीकरी थाना, आगरा बतौर ट्रेनी ऑफिसर हुई। दूसरी पोस्टिंग गोरखपुर में बतौर ASP हुई। आईपीएस अंशिका वर्मा इंस्टाग्राम पर काफी फेमस हैं। उनके 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। भोजपुरी सिंगर नीलकमल बिहार के बक्सर के रहने वाले हैं। पॉपुलर टीवी शो सुर संग्राम में टॉप 4 में पहुंचकर नीलकमल ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। गाने के साथ नीलकमल अच्छी एक्टिंग भी करते हैं। बताया जाता है कि नीलकमल सिंह 14 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं।

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड रुपए होता है वह निकाल लिया है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से अमेरिका ने भारत के ऊपर रुस से तेल और कच्चा तेल और गैस लेने पर प्रतिबंध लगाया था उसके बाद से भारत को सारा कच्चा तेल और गैस एवं अन्य सामग्री डॉलर में खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इन दिनों सबसे ज्यादा खराब है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में आर्थिक विशेषज्ञों की कमी इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा अन्य लोग जिस तरह के निर्णय ले रहे हैं, इसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में पढ़ता हुआ दिख रहा है। रिजर्व बैंक में जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं उनका मानना है कि यदि यही प्रवाह बना रहा तो 4 से 6 महीने के अंदर 1991 वाली स्थिति विदेशी मुद्रा को लेकर फिर आ सकती है, जिसके कारण भारत का अर्थ संकट बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी। छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

> इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है। पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि'के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया. स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आईं। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है। पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि एनसीपी अजित गुट की नेता और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अशोक खरात के पैर धोती दिखाई दे रही हैं।

दो टूक- वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

> अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है।

योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है।

उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

एक घंटा अंधेरा: भविष्य की सुनहरी रोशनी का वैश्विक संकल्प

दिलीप कुमार पाठक

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता आदिकाल से एक अटूट डोर से बंधा रहा है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उस डोर को इतना खींच दिया है कि अब उसके टूटने की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इसी आहट को पहचानने और दुनिया को एक धागे में पिरोने का नाम है—अर्थ ऑवर। हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को दुनिया भर के करोड़ों लोग अपनी मर्जी से अपने घरों और दफ्तरों की लाइटें एक घंटे के लिए बंद कर देते हैं। यह केवल बिजली बचाने का कोई तकनीकी काम नहीं है, बल्कि यह धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता और चिंता का एक सामूहिक प्रदर्शन है। 28 मार्च की वह शाम जब घड़ी की सुइयां एक खास वक्त पर आकर ठहरेंगी और शहर की चकाचौंध को एक सुकून भरी खामोशी निगल लेगी, तब वह अंधेरा हमें डराएगा नहीं, बल्कि हमें आईना दिखाएगा। सोचिए, जिस सूरज की रोशनी और जिस हवा के झोंकों ने हमें जीवन दिया, आज वही हवा जहरीली हो रही है और वही मौसम बेईमान हो चुके हैं। हम एक ऐसी सभ्यता बन गए हैं जिसने उजाले की इतनी हसरत पाल ली कि हम सितारों भरी काली रातों का सौंदर्य ही भूल गए। अर्थ ऑवर हमें उसी प्राकृतिक सौंदर्य की याद दिलाता है। यह साठ मिनट का समय हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक तपती हुई धरती छोड़कर जा रहे हैं या एक सुरक्षित आशियाना? जब पेरिस के एफिल टॉवर से लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक की लाइटें गुल होती हैं, तो संदेश साफ़ होता है कि हम चाहे कितने भी आधुनिक क्यों न हो जाएं, कुदरत के नियमों से ऊपर नहीं हैं। नदी जैसे बहते इस जीवन में हम अक्सर भूल जाते हैं कि हर छोटी बूंद समंदर बनाती है। कई लोग सवाल करते हैं कि महज एक घंटा लाइट बंद करने से क्या होगा? क्या इससे ग्लोबल वार्मिंग रुक जाएगी? जवाब है—शायद तुरंत नहीं, लेकिन यह एक घंटा हमारे भीतर की सोई हुई चेतना को जगाने के लिए काफी है। यह एक ऐसी प्रतीकात्मक शुरुआत है जो हमें बताती है कि अगर हम एक घंटे के लिए पूरी दुनिया के साथ एकजुट हो सकते हैं, तो हम साल के बाकी दिनों में भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बन सकते हैं। यह अंधेरा दरअसल हमारी आत्मा का वह उजाला है जो हमें प्लास्टिक कम इस्तेमाल करने, पानी बचाने और हरियाली बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आज जलवायु परिवर्तन कोई किताबी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रहा है। कहीं बेमौसम बरसात हो रही है, तो कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। पहाड़ों का पिघलना और समंदर का बढ़ता स्तर हमें लगातार चेतावनी दे रहा है। अर्थ ऑवर इसी चेतावनी को एक सकारात्मक आंदोलन में बदलने का जरिया है। यह वह समय है जब हम अपनी मशीनी दुनिया से कटकर अपनों के साथ बैठ सकते हैं और उस खामोशी को महसूस कर सकते हैं जिसे हम दिनभर के शोर-शराबे में अनसुना कर देते हैं। अखबारों की सुर्खियों में जब प्रदूषण की खबरें आती हैं, तो हम अक्सर सरकार और सिस्टम को दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। लेकिन अर्थ ऑवर हमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी का एहसास कराता है। यह बताता है कि दुनिया बदलने की शुरुआत हमारे अपने घर के स्विच बोर्ड से होती है।

धीमा जहर: रिफाइंड तेल, नमक, मैदा, शक्कर खाओ मौत बुलाओ

तेल, नमक या किसी अन्य खाद्य पदार्थ को खाना बंद करने के बजाय, स्वस्थ विकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना और सीमित मात्रा में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करना जरूरी होता है। उदाहरण के लिए, रिफाइंड आटे को अन्य प्रकार के स्वस्थ और फाइबर युक्त आटे जैसे रागी या साबुत गेहूं के आटे का सेवन करें। चीनी की जगह गुड़ का सेवन करें। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में भी सुधार ला सकते हैं।

आजकल आक्रामक बाज़ारीकरण के कारण कुछ भी बेचा जा रहा हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए जहर का काम करते हैं स्वस्थ्य शरीर के लिए जरूरी है सही और पर्याप्त मात्रा में भोजन का सेवन। लेकिन कई बार स्वस्थ्य और हानिरहित और हानिकारक खाद्यों की जानकारी के अभाव में लोग भोजन में ऐसे खाद्य सामग्रियों को शामिल करते हैं जो शरीर के लिए किसी जहर से कम नहीं है। घर का खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन घर का खाना भी बाहर के खाने जितना ही हानिकारक हो सकता है यदि आपको ऐसे खाद्यों के बारे में नहीं पता जो शरीर को बीमार करने का काम करते हैं। हमारे रसोई में ऐसी कई चीजें हैं जिसे हम रोज अपने स्वादानुसार इस्तेमाल कर रहें हैं पर वह आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। जिनके अतिरिक्त सेवन को कंट्रोल करके आप कई सारी बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

शक्कर

सफेद चीनी लगभग हर किचन में रखा होता है। यह मीठी चीनी चाय, कॉफी, मिल्कशेक और अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन शक्कर सेहत के लिए हानिकारक होता है।

गन्ने को साफ़ करके उसका रस निकालकर उसमे चूना मिलाया जाता हैं एवं इस प्रक्रिया द्वारा मेल निकालकर रस को गाढ़ा करके सेंटरोफूज द्वारा और मेल निकाला जाता हैं साफ़ रस में सल्फर डाई ऑक्साइड, फास्फोरिक एसिड आदि मिलकर रिफाइंड किया जाता हैं अंत में मटमैले रंग को साफ करने उसे जानवरों की हड्डियों से बने पावडर द्वारा सफ़ेद बनाया जाता हैं, जो हानिकारक होता हैं शक्कर की जगह बिना केमिकल वाला चाकलेटी या गाढ़े रंग का गुड़ हितकर हैं। बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से उच्च रक्तचाप, सूजन, वजन बढ़ना, मधुमेह और फैटी लीवर की बीमारी हो सकती है। जो स्ट्रोक और हृदय रोग के खतरे को दोगुना कर देती है।

मैदा

गेहू का पृष्ठ भाग एवं अंकुर जिसमे आवश्यक फैट, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन्स आदि प्रचुर मात्रा में हैं जो कि मैदा बनाने के पहले निकाल दिए जाते है और गेंहू के मध्य भाग जिसमे कार्बोहइड्रेट अर्थात स्टार्च शक्कर, ग्लूकोस ही प्रचुर मात्रा मैं हैं को महीन पीसकर पाउडर बनाया जाता हैं बेंज़ोइक परा ऑक्सीड से इसे चमकीला सफ़ेद बनाया जाता हैं यह मैदा होता हैं इसमें कई रसायन मिलाये जाते हैं जिससे यह लम्बे समय तक बना रहता हैं।

मैदा कई तरह के व्यंजनों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही आपकी रसोई में कुकीज़, केक, ब्रेड और पास्ता में भी मैदा मौजूद होता है। मैदा के अत्यधिक सेवन से वजन बढ़ना, चयापचय संबंधी समस्याएं, हृदय रोग और यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है।

नमक

आयोडाइड नमक में कोई आयोडीन नामक तत्व नहीं होता .समुद्र के पानी और धुप की गर्मी से वाष्पित बनने वाले नमक में सोडियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम जैसे तत्व का अनुपात संतुलित होता हैं। ज्यादा नमक खाने से २८ प्रतिशत तक मौत का खतरा बढ़ जाता है। नमक के बिना खाने का स्वाद आपको फीका लग सकता है लेकिन इसे कम मात्रा में खाना समझदारी है।

हम रोज सब्जियओं में दालों में यूरिया, अमोनिया, पोस्फेटे जैसे जहरीले रसायन घुले रहते हैं जिसके कारण ये विष हमारे शरीर में जाते हैं, हम साल भर में लगभग ७० मिलीग्राम विष खा लेते हैं। नमक का अधिक सेवन उच्च रक्तदाब, किडनी, लकवा जैसी बीमारी का न्योता देता हैं।

तेल

यदि आपके घर में पकोड़े, तले हुए प्याज, फ्रेंच फ्राइज़, फ्रोजन फूड आदि खाना पसंद करते हैं तो तेल का ज्यादा इस्तेमाल वाजिब है। ये पसंद दिल का दौरा, स्ट्रोक, स्तन/डिम्बग्रंथि के कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्वस्थ वजन और जोड़ों के दर्द सहित अन्य के जोखिम को बढ़ाने का काम करती है।

आजकल नमी गिरामी तेल बनाने वाली कंपनियां खाद्य तेलों में पाम आयल मिलाते हैं .रिफाइंड तेल बहुत ही हानिकारक होते हैं।

इस बात का रखें ध्यान

तेल, नमक या किसी अन्य खाद्य पदार्थ को खाना बंद करने के बजाय, स्वस्थ विकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना और सीमित मात्रा में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करना जरूरी होता है। उदाहरण के लिए, रिफाइंड आटे को अन्य प्रकार के स्वस्थ और फाइबर युक्त आटे जैसे रागी या साबुत गेहूं के आटे का सेवन करें। चीनी की जगह गुड़ का सेवन करें। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में भी सुधार ला सकते हैं।

जीवाणुओं से हो सकता है हड्डी और जोड़ों में संक्रमण

बच्चों के गले में किसी खास जीवाणुओं की मौजूदगी से हड्डी और जोड़ों में संक्रमण हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीवाणुओं के कारण बच्चों के चलने-फिरने पर तो बुरा प्रभाव पड़ ही सकता है, साथ ही साथ मौत का खतरा भी हो सकता है। एक नए अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि बच्चों के गले में पाए जाने वाला बैक्टीरिया 'किंगेला किंगे' हड्डियों एवं जोड़ों में होने वाले संक्रमण से जुड़ा है।

इससे पहले माना जाता था कि अधिकतर संक्रमण स्टेफेलोकोकस, स्ट्रेप्टोकोकस और हेमोफीलस इंफ्लूएंजा टाइप बी बैक्टीरिया की वजह से होता है। तब इनका इलाज लंबे समय तक एंटीबायोटिक चलाकर या सर्जरी से किया जाता था। पिछले कुछ साल में बेहद संवेदनशील तकनीकों के कारण इन संक्रमणों के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की सटीक पहचान संभव हो सकी।

शोधकर्ताओं ने छह माह से चार साल तक के 77 बच्चों का अध्ययन किया। इन्हें हड्डी या जोड़ संक्रमण के संदेह के

चलते भर्ती कराया गया था। इनमें से 65 बच्चों को पक्के तौर पर हड्डी या जोड़ों का संक्रमण था।

उन्होंने पाया कि चार साल से कम उम्र के जिन बच्चों में हड्डी या जोड़ों का संक्रमण पाया गया था, उनमें से अधिकतर बच्चे किंगेला किंगे बैक्टीरिया से संक्रमित थे। कनाडा के मोंट्रियल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक जोसलेन ग्रेवल ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि हमने यह पता लगाया कि जिन बच्चों को हड्डी या जोड़ों का संक्रमण था, उनके गले में ये बैक्टीरिया मौजूद थे हालांकि संक्रमण से बचे हुए बच्चों (मात्र छह प्रतिशत) में यह बात सामान्य नहीं है।

बहादुर योद्धा की कहानी पर बनी हैं फिल्म सुंदरावली'

साल 20226 में बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों की रिलीज को लेकर उत्साह बना हुआ है। ऐसी ही एक फिल्म 'स्वयंभू' चर्चा में है। यह फिल्म एक बहादुर योद्धा की कहानी को दर्शाती है, जिसने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदल दी। फिल्म में अभिनेता निखिल सिद्धार्थ और अभिनेत्री नाभा नतेश अहम भूमिका निभा रही हैं, जिनका किरदार कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है। नाभा नतेश ने एक इंटरव्यू में अपने किरदार 'सुंदरावली' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है, जो उसी गांव में पली-बढ़ी है जहां निखिल का किरदार रहता है। वह नायक के व्यक्तित्व को गहराई से समझती है और उसके जीवन के हर उतार-चढ़ाव से परिचित है। नाभा के मुताबिक, उनका किरदार सिर्फ एक साथी नहीं, बल्कि नायक की ताकत का आधार है। उन्होंने बताया कि सुंदरावली उस भावना का प्रतीक है, जो अक्सर पर्दे के पीछे रहकर किसी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब नायक कठिन परिस्थितियों से गुजरता है, तब सुंदरावली ही उसे संभालती है और दोबारा खड़े होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास देती है। यही मोड़ कहानी को नई दिशा देता है और नायक के संघर्ष को निर्णायक रूप में बदल देता है। फिल्म 'स्वयंभू' का निर्माण भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले किया है, जबकि इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म के लिए निखिल सिद्धार्थ ने वियतनाम में विशेष मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली है। उन्होंने तलवारबाजी में भी विशेष महारत हासिल की है और वे दोनों हाथों से तलवार चलाने में सक्षम हो गए हैं।

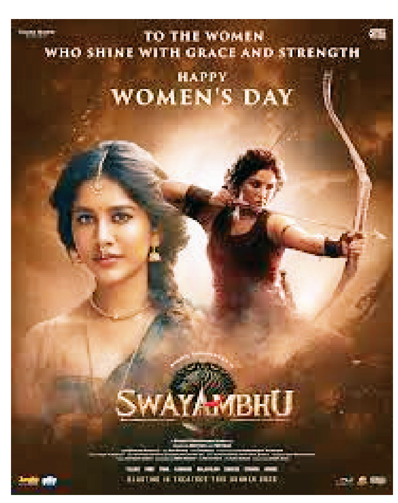

फिल्म धुरंधर 2 से बेहद प्रभावित हुई प्रिटी जिंटा

बॉलीवुड की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज रिलीज हो गई है। फिल्म से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें 'नोटबंदी' जैसे घटनाक्रम और अंडरवर्ल्ड डॉन दाउड इब्राहिम से प्रेरित किरदार की झलक दिखाई दे रही है। रणवीर सिंह और संजय दत्त स्टारर फिल्म देखने के बाद अभिनेत्री प्रिटी जिंटा ने इसकी जमकर तारीफ की है। वह अपने दोस्त अर्जुन रामपाल, जो फिल्म में मेजर इकबाल का किरदार निभा रहे हैं, के साथ प्री-प्रीव्यू में शामिल हुईं। फिल्म को लेकर उनका उत्साह साफ नजर आया और उन्होंने कहा कि 'धुरंधर' नाम जितना दमदार है, फिल्म उससे भी ज्यादा प्रभावशाली है। प्रीति जिंटा ने खास तौर पर रणवीर सिंह के अभिनय की सराहना की और उन्हें फिल्म की 'जान' बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म में जिस तरह बदले की कहानी को दिखाया गया है, वह दर्शकों को बांधकर रखने वाला है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि फिल्म का निर्देशन, अभिनय, संगीत, संपादन, कहानी और कास्टिंग—हर पहलू शानदार है। उनके मुताबिक फिल्म देखने के बाद उनकी मां ने भी इसे दोबारा थिएटर में देखने की इच्छा जताई। फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की भी उन्होंने खुलकर तारीफ की और दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने के लिए धन्यवाद कहा। रणवीर सिंह के बारे में उन्होंने लिखा कि उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली है, जिसमें गहराई, ईमानदारी और शानदार रेंज देखने को मिलती है।

प्रीति के अनुसार रणवीर ने अपने किरदार को बारीकी से समझकर उसे पर्दे पर पूरी ताकत के साथ उतारा है। प्रीति जिंटा ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी सराहना की।

जब मुस्कुराहट जी का जंजाल बन जाये!

महिला यदि जवान एवं खूबसूरत हो तो उसे घर से बाहर कदम रखते ही छींटाकशी, फब्तियों तथा नयन बाणों का शिकार होना पड़ता है। आकर्षक सौंदर्य स्त्री के लिए वरदान है लेकिन रात्रि में, संकट में अकेली स्त्री का यही सौंदर्य नयी समस्या का कारण बन जाता है।अकेले बस में सफर करती स्त्री के लिए अपने साथ सीट पर बैठे पुरूष यात्री से मुस्कुराकर बात कर लेने के प्रत्युत्तर में सभ्य आचरण की उम्मीद करना किसी बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकता है। अकेली जवान-खूबसूरत स्त्री के साथ छेड़छाड़, दुर्व्यवहार एवं अपमानजनक व्यवहार कोई नयी समस्या नहीं है। इस स्थिति में स्त्री स्वयं भी दोषी हो सकती है लेकिन सभ्यता की पराकाष्ठा लांघने की शुरूआत पुरूष वर्ग द्वारा ही होती है।

यह कटु सत्य है कि कदम से कदम मिलाकर चलते हुए भी स्त्री पुरूष के मुकाबले में बराबरी का दर्जा नहीं बना पायी है। आज भी स्त्री के मन में डर, भय एवं अज्ञात आशंका समायी हुई है। हर क्षेत्र में खड़ी स्त्री को सदैव यह आशंका बनी रहती है कि कहीं उसके साथ कोई दुर्घटना न हो जाये। कोई बाज झपटकर उसके अस्तित्व को न दबोच ले। आज का युग 'पश्चिमी युग' तो नहीं लेकिन स्त्रियों के लिए उससे कम बदतर स्थिति नहीं है। स्त्रियों के साथ छेड़ख़ानी, बलात्कार की सौ घटनाओं में 90 घटनाएं पुरूष वर्ग की हैवानियत के कारण ही होती हैं। किसी स्त्री ने पुरूष से छेड़ख़ानी की हो, ऐसा क्यों नहीं होता? प्रत्येक स्त्री अच्छी तरह जानती है कि छेड़ख़ानी, फिकरेबाजी एवं छींटाकशी करना पुरूष अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता है। जो पुरूष घर की दहलीज के अंदर भाई, पति एवं पिता है वही पुरूष घर के बाहर अकेली जवान, खूबसूरत स्त्री को देखकर सारी मर्यादाओं को लांघ जाता है।

- अक्सर पुरूष अपनी सहयोगी महिला के साथ अधिक 'दयालु' रहते हैं। कामकाजी महिला अच्छी तरह समझती है कि अपने सहयोगी की 'दयालु' भावना का आशय क्या है? कामकाजी महिला का अपने पुरूष सहयोगी के साथ मित्रवत् व्यवहार धीरे-धीरे असभ्य स्थिति में पहुंच सकता है।
- यह जरूरी भी नहीं कि स्त्री की इच्छा सहमति के बाद ही पुरूष सहयोगी असभ्यता की पराकाष्ठा को लांघने की कोशिश करें। कभी भी स्त्री के मुस्कुराकर देखने मात्र से पुरूष उसे लपकने को

दौड़ सकता है। कामकाजी सहयोगी महिला के साथ पुरूष अपने असभ्य व्यवहार को शर्मनाक नहीं अपितु जन्मसिद्ध अधिकार मानता है।

- स्त्रियों के साथ असभ्य व्यवहार में समस्त दोष पुरूष वर्ग का भी नहीं है बल्कि कुछ हद तक स्त्री स्वयं भी जिम्मेदार है। अक्सर पुरूष वर्ग यह आरोप लगाते हैं कि 'लिफ्ट' देकर पीछे हट जाना स्त्री की फितरत है। पीछे ही हटना है तो 'लिफ्ट' ही क्यों देती है।
- पुरूष वर्ग का यह कथित आरोप बेतुका भी नहीं है। दरअसल स्त्री पुरूष के सोये हुये उत्साह को जगाती है। पुरूष सभ्यता की सीमा से बाहर निकलने की कोशिश करता है लेकिन स्त्री का समर्थन मिल पाने के कारण उसकी विद्रोह भावना असभ्य आचरण के लिए बाध्य करती है।
- पुरूष पूर्णतः अपराधी है लेकिन स्त्री भी निर्दोष नहीं है। सैक्सुएल-ट्रेजेडी एकतरफा नहीं होती। स्त्री बेशक घर के अंदर साज-श्रृंगार को हाथ न लगाये लेकिन घर के बाहर विशेष रूप से सज-संवर कर निकलती है। स्त्री अपने वस्त्रों एवं साज-श्रृंगार पर विशेष ध्यान देती है।
- साज-श्रृंगार या आकर्षक सौंदर्य संरचना बुरी बात तो नहीं लेकिन घर से बाहर आवश्यकता से अधिक साज-श्रृंगार की जरूरत भी नहीं है। सौंदर्य बोध आवश्यक है मगर यही सौंदर्य बोध, अल्हड़ व्यवहार व सीमाहीन हास-परिहास पुरूष को छेड़ख़ानी एवं असभ्य व्यवहार के लिए उकसा सकता है।
- प्रत्येक स्त्री विशेषकर कामकाजी महिला के लिए अति आवश्यक है कि अपने पुरूष सहयोगी के साथ परिहास, विचारों का आदान-प्रदान एवं व्यक्तिगत जीवन के संदर्भ में सीमित दायरा बनाये रखें। ऑफिस में कार्यरत अपने पुरूष सहयोगी की मन-स्थिति को समझ लेना आवश्यक है। सहकर्मियों के मध्य असीमित आत्मीय संबंध न केवल घरेलू जीवन की बुनियाद को हिला सकते हैं बल्कि सुखमय जीवन में 'ग्रहण' भी लगा सकते हैं। शालीन एवं संयमित व्यवहार ही आपकी सुरक्षा की गारंटी है। भड़काऊ वस्त्र, असीमित हास-परिहास एवं गहन आत्मीय संबंध आपके साथ बड़ी अनहोनी का कारण बन सकते हैं।
- पुरूष सहकर्मी के साथ अधिक मित्रवत एवं अधिक विद्वेषपरक संबंध कामकाजी स्त्री के लिए दुःखदायी हो सकते हैं। कामकाजी स्त्री के लिए आवश्यक है कि उसका व्यवहार न स्पंज की तरह मुलायम हो और न पत्थर की तरह कठोर। स्त्री को सिर्फ हमेशा चौकन्ना रहना चाहिए कि सहकर्मी उसे दबाने या तोडऩे की कोशिश में तो नहीं हैं? स्त्री न स्पंज की तरह दब सकती है, न बंद मुटठी में रेत की तरह रिस सकती है।
- इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि घर से बाहर स्त्री सुरक्षित नहीं है। स्त्री घर से बाहर पुरूष जितनी स्वतंत्र एवं सुरक्षित है पर स्त्री को प्रत्येक कदम बड़े-सोच समझकर रखना पड़ता है।
- घर से बाहर स्त्री के साथ ही छेड़ख़ानी, दुर्घटना एवं दुर्व्यवहार ही क्यों होता है, पुरूष के साथ क्यों नहीं? क्योंकि स्त्री असहाय है, कमजोर है, लाचार है, इसलिए या स्त्री का सौंदर्य या खूबसूरत जिस्म उसके लिए अभिशाप है? आखिर स्कूल, अस्पताल, बस, दफ्तर जाते हुए युवतियों को ही क्यों सलाह दी जाती है कि संभलकर जाना। किसी युवक को यह विशेष सलाह क्यों नहीं दी जाती है, क्या इसीलिए क्योंकि वह युवक है।

अपनी चाल पर भी ध्यान दें

जैसे चेहरा दिल का दर्पण होता है वैसे ही चाल हमारे व्यक्तित्व का दर्पण होती है अतः हमें अपनी चाल पर भी ध्यान देना चाहिए। थोड़े से प्रयास से हम अपनी चाल में सुधार ला सकते हैं जैसे-

- चलते समय, बातें करते वक्त हाथ इधर-उधर नहीं घुमाने चाहिएं।
- अकेले चलते समय अपने आप से बातें नहीं करनी चाहिएं। इससे आप के अवचेतन मन में चल रही हलचल प्रदर्शित होती है।
- बूट, चप्पल या स्लीपर घसीट कर नहीं चलना चाहिए। इससे आपके बेपरवाह एवं मूर्ख होने का आभास होता है।
- बार बार इधर-उधर या पीछे नहीं देखना चाहिए।
- नीचे पत्थर, फिसलन और रास्ता देख कर चलना चाहिए। गिरने पर आप हंसी का पात्र बन सकते हैं।
- चलते वक्त आप के बूट के तस्मे बंधे होने चाहिए। खुले तस्मे होने पर आप गिर सकते हैं।
- गर्दन अकड़ा कर या नीचे करके न चलें। बांहें पहलवान छाप फैला कर न चलें। टांगें चौड़ी करके न चलें।
- चलते समय सांस नाक द्वारा लें। इससे आपको थकान नहीं होगी। गुरप में चलते समय सारी सड़क घेर कर मत चलें।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम वियजन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

दक्षिण भारत के इस प्रमुख राज्य का नाम मद्रास से बदलकर तमिलनाडु क्यों पड़ा

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु, दक्षिण भारत का एक प्रमुख राज्य, अपनी समृद्ध संस्कृति और हजारों साल पुराने इतिहास के लिए मशहूर है। हर साल 18 जुलाई को तमिलनाडु दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1967 की घटना की याद दिलाता है जब सी.एन. अन्नादुरई के नेतृत्व में तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य का नाम आधिकारिक रूप से मद्रास से बदलकर तमिलनाडु किया गया। हालांकि, राज्य का गठन 1 नवंबर 1956 को भाषा के आधार पर हुआ था, इस पहले स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता था। तमिलनाडु का इतिहास चेर, चोल और पांड्य राजवंशों से जुड़ाः है और यह द्रविड़ संस्कृति का केंद्र रहा है। पल्लव काल में वास्तुकला और संगम साहित्य ने राज्य को समृद्ध किया। प्राचीन मंदिर और साहित्यिक कृतियाँ आज भी तमिलनाडु के गौरवशाली अतीत की पहचान हैं। तमिलनाडु की संस्कृति तमिल लोगों की संस्कृति है, जो साहित्य, संगीत, रंगमंच, चित्रकला, मूर्तिकला, परंपराएं, रीति-रिवाज, विज्ञान, धर्म और भोजन में प्रकट होती है। यहाँ विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार 87.58 प्रतिशत हिंदू, 6.12 प्रतिशत क्रिश्चन, 5.86 प्रतिशत मुस्लिम और 0.12 प्रतिशत जैन धर्म के अनुयायी हैं। राजनीतिक दृष्टि से तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का प्रभुत्व है। प्रमुख दल डीएमके (द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम) और एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम) हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भाजपा भी यहाँ सक्रिय हैं। राज्य में कुल 39 लोकसभा और 243 विधानसभा सीटें हैं, और हर पांच साल में चुनाव होते हैं। 1960 के दशक में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन 1967 में सी.एन. अन्नादुरई के नेतृत्व में डीएमके ने कांग्रेस को हराकर पहली गैर-कांग्रेसी सरकार बनाई। वहीं 1972 में एम.जी. रामचंद्रन ने डीएमके से अलग होकर एआईएडीएमके बनाई और 1977-1987 तक शासन किया। उसके बाद से सत्ता डीएमके और एआईएडीएमके के बीच बंटी रही। वर्तमान में एम. के. स्टालिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 2021 में डीएमके के नेतृत्व में भारी बहुमत से विजय प्राप्त की। तमिलनाडु, ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और राजनीतिक परिदृश्य के कारण आधुनिक भारत का एक प्रमुख और जीवंत राज्य माना जाता है।

काशी में मुस्लिम महिलाओं ने मनाया रामनवमी का पर्व, प्रभु राम और माता सीता की उतारी आरती

वाराणसी,(ईएमएस)। चैत्र रामनवमी के मौके पर भगवान राम के जन्मोत्सव का उत्सव न केवल हिंदुओं में, बल्कि मुसलमानों के बीच भी धूमधाम मनाया जा रहा है। काशी के लमही स्थित विशाल भारत संस्थान में मुस्लिम महिला फाउंडेशन द्वारा रामनवमी के पावन पर्व पर श्री राम और माता सीता की परंपरागत आरती का आयोजन किया। इस मौके पर फाउंडेशन प्रमुख नाजनीन अंसारी सहित अन्य मुस्लिम महिलाएं भी उपस्थित रहीं। इस आयोजन ने धार्मिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया। रामनवमी का पर्व भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा देता है। इस प्रकार के आयोजनों से विभिन्न धर्मों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा मिलता है, जो समाज में शांति और सद्भावना का संचार करता है। नाजनीन ने इस मौके पर कहा कि हम सभी को मिलकर पर्व को मनाना चाहिए, क्योंकि यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हम सभी को एक-दूसरे के धर्म और संस्कृति का सम्मान करने का मौका मिलता है। विशाल भारत संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने मिलकर आरती की और भगवान राम तथा माता सीता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान उपस्थित सभी महिलाओं ने एकजुट होकर भक्ति गीत गाए और एक-दूसरे के साथ इस मौके का आनंद लिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन था, बल्कि यह एक सामाजिक संदेश भी था कि विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिलकर त्यौहार मना सकते हैं।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति, ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था। भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है।

रामलला का सूर्य तिलक, 9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें:पंचामृत से अभिषेक, स्वर्ण जड़ित पीतांबर पहनाया; अयोध्या में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

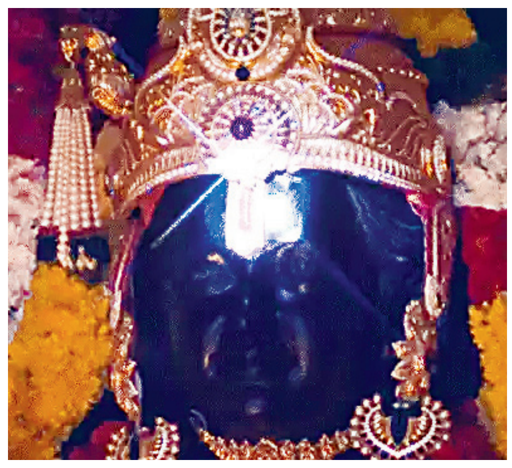

अयोध्याः अयोध्या में रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया गया।

सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया। फिर आरती की गई। आज आम दिनों के मुकाबले भक्त 3 घंटे ज्यादा रामलला के दर्शन कर पाएंगे। सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक यानी 18 घंटे दर्शन होंगे। पहले सुबह 6:30 से रात 9:30 तक दर्शन होते थे।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर भीड़ ज्यादा है। करीब 10 लाख लोग रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं।

रामलला एवं राम परिवार के समक्ष बधाई गान का आयोजन किया गया। भक्त, साधु-संत, ट्रस्ट व कार्यदायी एजेंसियों के कर्मी जन्मोत्सव के उल्लास में नृत्य-संगीत में झूम रहे थे। रामजन्मोत्सव का प्रत्येक क्षण दर्शनार्थियों को दिखाने के लिए जगह-जगह एलईडी स्क्रीनें लगाई गई हैं। जन्मोत्सव के सुखद आनंद व दर्शन के लिए बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों का आगमन हुआ है।

रामचरितमानस में वर्णित ऐसे श्रीराम का जन्मोत्सव कितना आह्लादकारी हो सकता है, इसकी कल्पना शुक्रवार को साकार हुई। दो वर्ष पूर्व भव्य-दिव्य मंदिर में रामलला की प्रतिष्ठा के साथ रामनगरी को श्रेष्ठतम सांस्कृतिक नगरी के रूप में प्रतिष्ठित किए जाने के बीच इस उत्सव के प्रति उत्साह-उल्लास के शिखर से रामनगरी का रोम-रोम पुलकित है। चैत्र शुक्ल नवमी सम्वत् 2083 तद्नुसार 27 मार्च को दिव्य-भव्य राम मंदिर में रामलला का तीसरा जन्मोत्सव आयोजित किया गया।

चावल के दाने पर श्रीराम का नाम लिखकर श्रद्धालुओं को बांट रहा भक्त

रामनवमी पर जौनपुर से रामलला का अनोखा भक्त अयोध्या पहुंचा है। मनीष पाल चावल के दाने पर प्रभु श्री राम का नाम उकेर कर श्रद्धालुओं में निशुल्क दे रहा है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रतिज्ञा ली थी। मंदिर निर्माण के बाद से चावल पर प्रभु श्री राम का नाम उकेर कर लोगों में दे रहा हूं। इससे पहले माघ मेले में भी एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं को प्रभु श्री राम नाम लिखित चावल वितरित कर चुका हूं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस विधायकों में हाथापाई:राहुल को पप्पू कहा

खामेनेई की तस्वीर लहराई, सीएम बोले-ईरान पर युद्ध थोपा

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर प्रदर्शन हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता खामेनेई की तस्वीर लेकर सदन के अंदर पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओ ने खामेनेई के पोस्टर भी लहराए। इस बीच, सदन में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच धक्का-मुक्की का भी वीडियो सामने आया। हालांकि, ये विवाद भाजपा नेताओं के राहुल पर कमेंट को लेकर था। कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने कहा, 'राहुल गांधी पप्पू हैं।' इसके बाद दोनों नेताओं में हाथापाई होने लगी। वहीं, ईरान युद्द पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा- ईरान पर यह युद्ध थोपा गया। मानवता की हत्या हुई है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक बोले- हम ईरान के साथ खड़े हैं

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, हम ईरान के साथ खड़े हैं। हमारी पार्टी और जम्मू-कश्मीर की सरकार उनके साथ खड़ी है। जैसे सीएम उमर अब्दुल्ला ने पिछली बार सिविल सोसाइटी में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की थी। वैसे ही, आज हम सब यहां खड़े हैं। हम समझते हैं कि जिस तरह से खामेनेई को मारा गया, किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का कोई हक नहीं है। मुझे लगता है कि देश की टॉप लीडरशिप को इसकी निंदा करनी चाहिए। हम ईरान के लोगों का सपोर्ट कर रहे हैं।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ चंदा जुटाया गया

कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है। इससे देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। आशंका है कि इन पैसों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक करीब 18 करोड़ का चंदा जुटाया गया है। इनमें से 85% राशि शिया समुदाय ने दान की है। कश्मीर का बड़गाम शिया बहुल इलाका है। यहां से करीब 9.5 करोड़ जुटाए गए हैं। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका के जरिए लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों की मदद करना बताया गया है।

प्रशिक्षु योजना में बीच में छोड़ने वालों की संख्या 5 साल में 15 गुना बढ़ी

सरकार के लिए चिंता

सरकार की महत्त्वाकांक्षी प्रशिक्षु योजना से बाहर निकलने वालों की संख्या बीते पांच वर्षों में 15 गुना से अधिक बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार योजना में नामांकन और प्रशिक्षण पूर्ण करने से कहीं अधिक तेजी से बाहर निकलने वालों की संख्या बढ़ी है। नैशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के प्रदर्शन डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार प्रशिक्षण बीच में छोड़ने वाले अप्रेंटिस की संख्या वित्त वर्ष 26 में बढ़कर 4,25,080 हो गई जबकि यह वित्त वर्ष 21 में 27,183 थी। हालांकि इस अवधि में अप्रेंटिस करने वालों की संख्या 3,07,779 से लगभग चार गुना बढ़कर 12.1 लाख हो गई जबकि प्रशिक्षण पूरा करने वालों की संख्या 2,14,959 से लगभग तीन गुना बढ़कर 6,26,379 हो गई।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 21 में अप्रेंटिस के मुकाबले छोड़ने वालों की संख्या लगभग नौ प्रतिशत थी जबकि वित्त वर्ष 26 में यह करीब 35 प्रतिशत थी। यह प्रशिक्षुता कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत संचालित होता है और इसे नैशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के माध्यम से लागू किया जाता है। यह योजना प्रशिक्षुओं को दिए गए वजीफे के हिस्से को वापस करके अप्रेंटिस को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसका उद्देश्य ऑन-द-जॉब सीखने को कक्षा निर्देश के साथ जोड़कर उद्योग-आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है। नियुक्त किए गए अप्रेंटिस की संख्या वित्त वर्ष 21 से वित्त वर्ष 26 के दौरान तीन गुना से अधिक बढ़ गई। हालांकि इस दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वालों की संख्या भी बढ़ी लेकिन इसकी वृद्धि धीमी रही। नतीजतन हाल के वर्षों में नियुक्त अप्रेंटिस और प्रशिक्षण पूरा करने वालों के बीच का अंतर बढ़ गया है। जहां वित्त वर्ष 21 में लगभग 70 प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूरा किया था, वहीं वित्त वर्ष 26 तक यह अनुपात घटकर आधे से थोड़ा अधिक रह गया।

7 करोड़ यात्रियों की क्षमता वाला जेवर एयरपोर्ट तैयार, पीएम मोदी शनिवार को करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े जेवर अंतरर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का शनिवार को उद्घाटन करेंगे। जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से हर साल सात करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे जबकि इसकी क्षमता 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग की होगी। इस एयरपोर्ट के संचालन से दिल्ली का दबाव कम होगा और उत्तर प्रदेश के उद्यमियों के लिए विदेशों में माल भेजना आसान हो जाएगा।

औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बड़ी कार्गो हैंडलिंग क्षमता के साथ यह एयरपोर्ट प्रदेश के कृषि, एमएसएमई और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई गति देगा। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, आगरा, मथुरा, वृंदावन और वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक शहरों को वैश्विक पर्यटन सर्किट से जोड़ेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते धार्मिक पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और बिजनेस ट्रैवल को भी नई गति मिलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक जेवर एयरपोर्ट के विकास के साथ उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट और औद्योगिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) तेजी से प्रीमियम निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेंगे, वहीं बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा-वृंदावन तक अर्बन एक्सपेंशन कॉरिडोर विकसित होकर नए शहरों और टाउनशिप को जन्म देगा।

एयरपोर्ट के आसपास होटल, वेयरहाउस, ऑफिस स्पेस, लॉजिस्टिक्स पार्क और डेटा सेंटर में बड़े निवेश आकर्षित होंगे। इससे रोजगार व व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल जैसे निर्यात-उन्मुख उद्योगों को नई गति मिलेगी, जो इस क्षेत्र को मजबूत इंडस्ट्रियल और एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करेगा।

बाकी बचे मार्च में भी होगा ठंडक का एहसास, मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना

नई दिल्ली (ईएमएस)। मार्च के मध्य में तेज गर्मी के बाद मौसम में ठंडक और नमी की स्थिति बनी हुई है। 14 मार्च के बाद तापमान में अचानक गिरावट आई है और यह ठंडक अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। इसका मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना है, जिसका असर 28 मार्च से पश्चिमोत्तर भारत के राज्यों में दिखेगा। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड सहित कई क्षेत्रों में बादलों और तेज हवाओं के कारण मौसम ठंडा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में 27 मार्च से बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 28 मार्च से, जम्मू-कश्मीर में 27 और 28 मार्च को, पंजाब और हरियाणा में 27-28 मार्च को बारिश हो सकती है। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 मार्च और पश्चिम उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में 28 मार्च को भी बारिश की उम्मीद है। 29-31 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में हल्की बारिश और तेज हवाओं का असर बने रहने की संभावना है। दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 मार्च तक मौसम सामान्य रूप से ठंडा और नम बना रहेगा। पूर्वी राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में 29 मार्च तक बारिश या बादलों वाला मौसम रहेगा। मप्र और छग में भी नमी बनी रहेगी।

महिलाओं के गर्भपात के लिए जिम्मेदार हैं ये 10 जीन सबसे ज्यादा, अहम शोध में खुलासा

चंडीगढ़,(ईएमएस)। बार-बार गर्भपात से परेशान महिलाओं के लिए राहत भरी खबर आई है। पीजीआई के एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर की टीम ने गर्भपात के सटीक कारणों का पता लगाया है। पीजीआई चंडीगढ़ में अहम शोध में खुलासा हुआ है कि शरीर के कुछ खास हब जींस गर्भ ठहरने में बाधा बन रहे हैं। अध्ययन में कुल 91 जींस की पहचान हुइ़ है, जिसमें 10 जीन सबसे ज्यादा असर डालने वाले मिले हैं। यह शोध आधुनिक ट्रांसक्रिप्टोम तकनीक के जरिए हुआ, जिसमें गर्भ से जुड़े टिश्यू के जीन का विस्तार से अध्ययन किया गया। यह शोध को दो महिला डॉक्टरों की ओर से किया गया है।

डॉक्टरों के मुताबिक, जब किसी महिला का दो या उससे अधिक बार गर्भपात होता है, तब इस मेडिकल भाषा में रिकरेंट प्रेग्नेंसी लॉस कहा जाता है। इसके पीछे कई वजहें हो सकती हैं, लेकिन कई मामलों में सटीक कारण सामने नहीं आता है। इसके बाद यह शोध नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। शोध के अनुसार, शरीर में मौजूद जीन ही तय करते हैं कि शरीर के अंदर प्रक्रियाएं कैसे काम करेंगी। यदि इन जींस में किसी तरह की गड़बड़ी होती है, तब उसका सीधा असर गर्भधारण पर पड़ता है। अध्ययन में पाए गए 91 जीन में से 10 हब जींस हैं, जो इस समस्या में सबसे ज्यादा भूमिका निभाते हैं। यह जीन शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सूजन की प्रक्रिया और खून की नलियों के विकास को नियंत्रित करते हैं। इन प्रक्रियाओं में असंतुलन होने पर गर्भ ठहरने के बाद भी वह टिक नहीं पाता, जिससे गर्भपात की संभावना बढ़ जाती है। डॉक्टारों का कहना है कि शोध से भविष्य में इस समस्या की पहचान समय रहते करना आसान होगा। इसके साथ ही, इन जींस के आधार पर बेहतर और सटीक इलाज भी संभव हो सकेगा।

सरकार ने कहा- देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा: LPG प्रोडक्शन 40% बढ़ा

नई दिल्लीः सरकार ने शुक्रवार को साफ किया है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। वहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी शुक्रवार को बताया कि देश में लॉकडाउन की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरी 100 फीसदी कैपेसिटी से काम कर रही हैं। देश में LPG प्रोडक्शन 40% बढ़ा है। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रियों की कमेटी का गठन किया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की 4 बड़ी बातें...

- कीमतें बढ़ीं, सप्लाई प्रभावितः पश्चिम एशिया के संघर्ष से क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हुए, सप्लाई चेन पर असर पड़ा।
- भारत के पास पर्याप्त स्टॉकः देश में अगले 2 महीनों के लिए कच्चा तेल उपलब्ध है। LPG, LNG और PNG की सप्लाई भी पहले की तरह जारी है।
- रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गईः सरकार ने पहले कॉमर्शियल सप्लाई घटाई, फिर धीरे-धीरे बढ़ाकर अब 70% तक कर दी। 14 मार्च से अब तक 30,000 टन LPG सप्लाई की गई। रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गई है।
- अफवाहों से पंपों पर भीड़ः कुछ जगहों पर लंबी कतारें दिखीं, लेकिन सरकार ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल या गैस की कोई कमी नहीं है।

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा...

- लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के 4 दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। शुक्रवार को सरकार के तीन मंत्रियों ने इसे नकारा...
- **संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजूः** लॉकडाउन की अफवाह कौन उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक, यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरीः लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमणः मैं लोगों को भरोसा दिलाना चाहती हूं कि कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मुझे हैरानी है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और फ्यूल की कमी होगी। ये बेबुनियाद बातें हैं।

लॉकडाउन की बात पर राहुल-खड़गे का बयान

राहुल गांधीः मोदी जी ने कह दिया कि कोविड जैसा समय आने वाला है। कोविड में जो किया था वो भूल गए कि कितने लोग मरे थे। कैसी दुखद स्थिति हुई थी।

मल्लिकार्जुन खड़गेः कोविड के दौरान हुई दुखद पीड़ा को नहीं भूला जा सकता। ऐसे में पीएम क्या 140 करोड़ भारतीयों को एक बार फिर खुद ही ऊर्जा संकट के साथ-साथ भोजन, उर्वरक और महंगाई के बढ़ते दबाव जैसे संकट का सामना करने के लिए कह रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा था- जंग की तुलना कोविड से की जा रही

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि खाड़ी जंग के दोषियों सहित कोई भी व्यक्ति दुनिया पर इसके पड़ने वाले परिणामों का अनुमान नहीं लगा सकता। इसकी तुलना कोविड महामारी से ही की जा सकती है, जिसके गंभीर परिणाम निकले थे।

शंखनाद, मंत्रों के बीच बालेन शाह ने ली नेपाल के पीएम पद की शपथ

भ्रष्टाचार पर अंकुश, युवाओं की उम्मीदें पूरी करना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चुनौती

काठमांडू,(ईएमएस)। रैपर-इंजीनियर बालेन शाह ने शुक्रवार को नेपाल के पीएम पद की शपथ ली। वे 35 साल की उम्र में नेपाल के सबसे युवा पीएम बन गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल की उपस्थिति में शीतल निवास में दोपहर 12:34 बजे शुभ मुहूर्त पर संपन्न हुआ। सात ब्राह्मणों ने शंखनाद, 108 युवा ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन और 107 लामाओं द्वारा बौद्ध मंत्रों का पाठ किया गया। 5 मार्च 2026 को हुए आम चुनाव में आरएसपी ने भारी बहुमत हासिल किया। पार्टी ने 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 182 सीटें जीतीं। बालेन शाह ने खुद चार बार पीएम रह चुके केपी शर्मा ओली को उनके गढ़ झापा-5 सीट से भारी अंतर से मात दी। नेपाल के आम चुनाव में पारंपरिक बड़े दल बुरी तरह हार गए। नेपाली कांग्रेस को सिर्फ 38 सीटें, सीपीएन-यूएलएल को

25 और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को मात्र 17 सीटें मिलीं। आरएसपी की इस भारी जीत को युवाओं की जेन-जेड क्रांति का नतीजा माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बालेन राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता हैं। करीब छह महीने पहले ओली सरकार को युवाओं के नेतृत्व वाले जेन-जेड आंदोलन में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के बाद हटा दिया गया था। बालेन पहले काठमांडू के मेयर रह चुके हैं। वे इंजीनियर भी हैं और रैप गानों के जरिए भ्रष्टाचार और युवाओं की समस्याओं को आवाज देते रहे हैं। शपथ लेने के बाद बालेन 15 से 18 मंत्रियों वाला छोटा मंत्रिमंडल बनाने की तैयारी में हैं। उनकी सबसे बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना, युवाओं की उम्मीदें पूरी करना और नेपाल की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। यह नेपाल के लिए एक नया अध्याय है। पारंपरिक दलों की लंबी पकड़ टूटने के बाद आरपीएस की यह लैंडस्लाइड जीत देश की राजनीति को पूरी तरह बदल सकती है। युवा पीढ़ी बालेन से बड़े बदलाव की उम्मीद लगा रही है।

बालेंद्र शाह आज मंत्रोच्चारण के साथ राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। आरएसपी की केंद्रीय समिति की बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि पार्टी के विधान के अनुसार केवल संसदीय दल का नेता ही प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाल सकता है। इसी के अनुरूप, विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद शाह को औपचारिक रूप से इस जिम्मेदारी के लिए अनुमोदित किया गया। गौरतलब है कि 2022 में पार्टी अध्यक्ष रबी लामिछाने और शाह के बीच हुए समझौते के तहत 182 विधायकों का समर्थन उन्हें प्राप्त है। इन चुनावों में शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को 49,614 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी, जो 1991 के बाद से नेपाल के चुनावी इतिहास में किसी भी उम्मीदवार द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी जीत है।

समारोह की शुरुआत सात शंख वादकों के शंखनाद के साथ होगी, जिसे शुभ कार्यों की सफलता का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान 108 वैदिक पुरोहित स्वस्ति शांति का पाठ करेंगे, जबकि 16 बौद्ध भिक्षु अष्टमंगल का जाप करेंगे। यह हिंदू और बौद्ध परंपराओं का मिश्रण नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने की एक कोशिश मानी जा रही है। 27 अप्रैल 1990 को जन्मे बालेंद्र शाह की राजनीतिक यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक रही है। एक मधेसी परिवार से ताल्लुक रखने वाले शाह ने भारत की विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। 2022 में काठमांडू के मेयर के रूप में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज कर उन्होंने मुख्यधारा की राजनीति में हलचल मचा दी थी। उनकी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि और शहरी विकास की गहरी समझ ने उन्हें युवाओं और आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाया है। बालेंद्र शाह का प्रधानमंत्री बनना नेपाल में पारंपरिक राजनीति के अंत और एक शिक्षित, तकनीकी दृष्टिकोण रखने वाली नई पीढ़ी के राजनेताओं के उदय का संकेत है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावित हमलों की समयसीमा 10 दिनों के लिए बढ़ाई, बातचीत का दौर जारी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अपने 28वें दिन में प्रवेश कर गया है, लेकिन इस बीच एक बड़ी कूटनीतिक हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर होने वाले संभावित हमलों को फिलहाल 10 दिनों के लिए टालने का बड़ा फैसला लिया है। यह निर्णय ऐसे नाजुक समय में आया है जब दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत जारी है और युद्ध का खतरा लगातार बना हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस फैसले का आधिकारिक ऐलान करते हुए बताया कि ईरान सरकार के विशेष अनुरोध पर यह रियायत दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की समयसीमा बढ़ाकर 6 अप्रैल 2026 की रात 8 बजे तक कर दी गई है। इससे पहले यह डेडलाइन शुक्रवार को समाप्त होने वाली थी, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही की आशंका जताई जा रही थी। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि ईरान के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है, हालांकि उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि ईरान तय शर्तों को पूरा करने में विफल रहता है, तो अमेरिका उसके पावर प्लांट्स को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेगा। एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने खुलासा किया कि ईरान ने शुरुआत में केवल 7 दिनों की मोहलत मांगी थी, लेकिन उन्होंने उदारता दिखाते हुए इसे 10 दिन कर दिया। उनके अनुसार, ईरानी पक्ष इस फैसले से काफी राहत महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए महज 48

घंटे का कड़ा अल्टीमेटम दिया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 5 दिन किया गया और अब अंतिम रूप से 10 दिनों की नई समयसीमा तय की गई है। इस बीच, ट्रंप का एक और दावा चर्चा में है जिसमें उन्होंने सीआईए के हवाले से ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के संबंध में कुछ निजी जानकारियां होने की बात कही है, हालांकि इसके कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि हमले की तारीख बार-बार बढ़ाना सीधे सैन्य टकराव के बजाय ट्रंप की दबाव की रणनीति का हिस्सा है, ताकि ईरान को बातचीत के जरिए अपनी शर्तों पर लाया जा सके।

ट्रंप खेल रहे डबल गेम, एक तरह हमले नहीं करने की बात तो दूसरी तरफ भेज रहे सैनिक

ईरान को लेकर ट्रम्प का दोहरा रुख सामने आया है। एक ओर अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है, जिससे ट्रम्प के पास सैन्य विकल्प बढ़ सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हैं। यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और 2,000 पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे। ये पैराट्रूपर्स 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर 10 दिन तक हमला नहीं करेंगे। उन्होंने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि यह फैसला ईरान के अनुरोध पर लिया गया है और नई डेडलाइन 6 अप्रैल तय की गई है। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने देकर गिफ्ट दिया। उन्होंने कहा कि इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। कैबिनेट बैठक में ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने खुद प्रस्ताव दिया था कि वह 8 बड़े ऑयल टैंकर जाने देगा, ताकि बातचीत को लेकर गंभीरता दिखा सके। उन्होंने दावा किया कि बाद में ईरान ने माफी मांगते हुए 2 और टैंकर भेजे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद आज ईरान के मुद्दे पर बंद कमरे में बैठक करने जा रही है। यह बैठक न्यूयॉर्क में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने ईरान में नागरिक ढांचे पर अमेरिका-इजराइल के हमलों को लेकर इस बैठक की मांग की थी। यह जानकारी दो संयुक्त राष्ट्र राजनयिकों ने दी। वहीं, सुरक्षा परिषद की मौजूदा अध्यक्षता अमेरिका के पास है, जिसने इस बैठक को शेड्यूल किया है।

ईरान से युद्ध खत्म करके ही चीन यात्रा पर जाएंगे ट्रंप

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब मई में चीन जा सकते हैं। दरअसल उन्हें पहले मार्च के आखिर में चीन जाना था, लेकिन ईरान के साथ संघर्ष के कारण दौरा स्थगित करना पड़ा। इस पर चीन ने चुप्पी साध रखी है, जिससे सवाल उठ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने नई तारीखों का ऐलान कर दिया है और बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप अब 14 और 15 मई को चीन का दौरा करेंगे। हालांकि ट्रंप के दौरे की तारीखों का ऐलान होने के बाद भी चीन ने चुप्पी साध रखी है। हकीकत तो यही है कि चीन को इस दौरे से कुछ ज्यादा उम्मीद नहीं है। वहीं, ट्रंप लगातार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की... चीन में राष्ट्रपति शी के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में होगी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने शी को चीन का अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति बताया और कहा कि दोनों पक्षों के प्रतिनिधि इस ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं राष्ट्रपति शी के साथ समय बिताने के लिए बहुत उत्सुक हूं, मुझे यकीन है कि यह एक बहुत ही अहम घटना होगी। प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप अपनी पत्नी और प्रथम महिला मेलानिया के साथ मिलकर, शी और मैडम पेंग लियुआन की वाशिंगटन, डीसी में एक जवाबी यात्रा की मेजबानी करेंगे, जिसकी तारीख इस साल बाद घोषित की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या शी-ट्रंप शिखर सम्मेलन ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध के समाप्त होने पर निर्भर करता है, तो लेविट ने कहा कि ट्रंप और शी ने तारीखें बदलने पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि चीनी नेता यह समझते थे कि राष्ट्रपति के लिए इन सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिका में रहना बहुत अहम है। ट्रंप ने शी के साथ फोन पर बातचीत की घोषणाएं की हैं जिन्हें बीजिंग ने कभी स्वीकार नहीं किया, और चीन ने अभी तक नई तारीखों की पुष्टि नहीं की है। वाशिंगटन स्थित चीन के दूतावास ने कहा कि उनके पास ट्रंप की यात्रा को लेकर कोई जानकारी नहीं है। फरवरी में, व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि शी-ट्रंप शिखर सम्मेलन 31 मार्च से 2 अप्रैल के बीच तय है, लेकिन बीजिंग ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की। इसके बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि बैठक टाल दी गई क्योंकि ईरान युद्ध को प्राथमिकता दी गई, जबकि बीजिंग ने कहा कि दोनों पक्ष अभी भी इस यात्रा पर चर्चा कर रहे हैं।

यूएन में विदेश मंत्री की दो टूक, कहा- होर्मुज में दुश्मन के जहाजों को रोकने का कानूनी अधिकार

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ा संघर्ष अब दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री लाइफलाइन, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पर आकर टिक गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग की घेराबंदी किए जाने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मंच पर हुंकार भरते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने दुश्मन देशों के जहाजों को रोकने का कानूनी अधिकार रखता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से चर्चा के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि तेहरान उन सभी जहाजों को रोकने का अधिकार रखता है जो उसके दुश्मनों या उनके सहयोगियों से जुड़े हैं।

ईरानी मीडिया के अनुसार, अराक्ची ने इसे देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ा कानूनी हक बताया है। ईरान के इस कदम से अमेरिका और इजरायल की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि वे चाहकर भी इस मार्ग को ईरान के नियंत्रण से मुक्त नहीं करा पा रहे हैं। इस पूरे तनाव की जड़ बीती 28 फरवरी को ईरान पर हुआ भीषण हमला है। बताया जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए मिसाइल हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी, जिससे ईरान का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इस बड़े नुकसान के बाद ईरान ने पीछे हटने के बजाय कड़ा प्रतिरोध करने का फैसला किया और दुनिया की 20-25 प्रतिशत तेल एवं गैस आपूर्ति करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया।

वर्तमान में स्थिति यह है कि होर्मुज के आसपास तेल और गैस से लदे जहाजों की कतारें लगी हैं। डर के कारण कोई भी जहाज इस क्षेत्र को पार करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है, क्योंकि ईरान लगातार संदिग्ध जहाजों को निशाना बना रहा है। इससे पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्था ठप होती नजर आ रही है और दुनिया भर में हाहाकार मचा हुआ है। वैश्विक तनाव के बीच ईरान ने एक कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है। विदेश मंत्री अराक्ची ने घोषणा की है कि ईरान ने अपने पांच मित्र देशों के लिए होर्मुज के दरवाजे खुले रखे हैं। इन देशों में भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान शामिल हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी राहत की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय जहाज अब सुरक्षा के बीच होर्मुज को पार करने लगे हैं। कई जहाज तेल और गैस लेकर भारतीय तटों पर पहुँच चुके हैं, जबकि कई अभी रास्ते में हैं। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के लिए यह मार्ग अब भी पूरी तरह बंद है, जिससे आने वाले दिनों में वैश्विक ऊर्जा संकट और गहराने की आशंका है।

ईरान के तेहरान में, अमेरिका और इज़राइल के साथ ईरान के टकराव के बीच अमेरिका और इज़राइल विरोधी रैली में हिस्सा ले रहे प्रदर्शनकारी।

हमें कतर मत समझना, बहुत बुरा मारेंगे, पाकिस्तान ने इजरायल को धमकाया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच अब पाकिस्तान और इजरायल के बीच भी तनाव चरम पर पहुंच गया है। तेहरान में पाकिस्तानी दूतावास के निकट हुए इजरायली हमलों के बाद पाकिस्तान सरकार से जुड़े एक रणनीतिक फोरम ने इजरायल को सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। पाकिस्तान स्ट्रैटेजिक फोरम ने स्पष्ट लहजे में कहा कि इजरायल को यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान कतर नहीं है। फोरम ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि दुनिया में कहीं भी पाकिस्तानी राजनयिकों को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाया गया, तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा और पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब इजरायली रक्षा बलों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि उन्होंने मध्य तेहरान में ईरानी शासन के आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर सिलसिलेवार हमले किए हैं। इन हमलों के दौरान पाकिस्तानी दूतावास के पास की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार दूतावास परिसर और वहां तैनात स्टाफ सुरक्षित है, लेकिन हमलों की तीव्रता ने इस्लामाबाद को सुरक्षा को लेकर चौकन्ना कर दिया है।

आस्ट्रेलिया में भी ईंधन संकट, पीएम अल्बनीज ने बुलाई मीटिंग कहा- ये बड़ा संकट है

कैनबरा(ईएमएस)। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर अब ऑस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति पर पड़ता दिख रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि हालांकि देश में ईंधन की आपूर्ति फिलहाल अल्पकालिक रूप से स्थिर दिख रही है, लेकिन आने वाले महीनों में चुनौतियां और अधिक बढ़ सकती हैं।

कैनबरा स्थित संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री ने

स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत योजना तैयार करने पर दिन-रात काम कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया अपनी जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है, ऐसे में सरकार मलेशिया और अन्य आसियान देशों के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है ताकि आपूर्ति श्रृंखला बनी रहे। प्रधानमंत्री ने तेल संकट की गंभीरता को देखते हुए आगामी सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट की विशेष बैठक भी बुलाई है, जिसमें राज्यों के साथ मिलकर भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने स्थिति का आकलन करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक भारी वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की कमी महसूस की जा रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर के लगभग 470 सर्विस स्टेशनों पर कम से कम एक प्रकार का ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है। संकट की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में केवल दो घरेलू रिफाइनरियां ही संचालित हो रही हैं। देश अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन आयात करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा एशियाई देशों से आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एशियाई रिफाइनरियां कच्चे तेल के लिए मुख्य रूप से मध्य पूर्व पर निर्भर हैं, जहां से तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है। यदि इस समुद्री मार्ग पर तनाव के कारण यातायात बाधित होता है, तो वैश्विक तेल बाजार के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था पर भी इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। विपक्ष ने भी सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए सुझाव दिया है कि जनता को राहत देने के लिए ईंधन एक्साइज ड्यूटी को अगले तीन महीनों के लिए आधा किया जाना चाहिए। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें मध्य पूर्व के घटनाक्रमों पर टिकी हैं, क्योंकि वहां होने वाली मामूली हलचल भी ऑस्ट्रेलिया के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगा सकती है।

ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने 15 लोगों को पकड़ा, सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचाने का आरोप

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने इस्फाहान प्रांत में कम से कम 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वह संवेदनशील सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचा रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने सैन्य ठिकानों की लोकेशन, हमलों से हुए नुकसान की तस्वीरें और अन्य संवेदनशील जानकारी विदेशी मीडिया को शेयर की। ईरानी अधिकारी इसे देश की सुरक्षा के खिलाफ गंभीर अपराध माना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्फाहान ईरान का एक अहम औद्योगिक और सैन्य केंद्र है। यहां कई अहम सैन्य अड्डे, मिसाइल फैक्टरियां और परमाणु सुविधाएं भी हैं। ऐसे में इस इलाके से सैन्य जानकारी लीक होने को ईरान बहुत गंभीरता से ले रहा है। ईरानी सुरक्षा बलों का कहना है कि ये लोग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और दूसरे प्लेटफॉर्म्स के जरिए जानकारी बाहर भेज रहे थे। कुछ लोगों पर आरोप है कि उन्होंने हमलों के बाद हुए नुकसान की तस्वीरें और वीडियो विदेशी मीडिया को उपलब्ध कराए, जिससे ईरान की स्थिति कमजोर दिखाई दे।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि आने वाले कुछ घंटों में वे संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और सीरिया के दमिश्क में उन होटलों पर हमला करेंगे, जहां अमेरिकी सैनिक और अधिकारी ठहरे हुए हैं। आईआरजीसी ने साफ चेतावनी दी है कि अमेरिकी सैनिक अपनी सैन्य बेस छोड़कर नागरिक होटलों में छिप रहे हैं और इन्हें अब वैध सैन्य टारगेट माना जाएगा। दमिश्क में कई फाइव स्टार होटलों को अमेरिकी और इजराइली सलाहकारों के ठिकाने बताया गया है। आईआरजीसी का कहना है कि अमेरिकी सैनिक होटलों में छिपकर स्थानीय नागरिकों को मानव ढाल बना रहे हैं, इसलिए अगर होटल मालिक अमेरिकी सैनिकों को आश्रय देते रहे तो इन होटलों को भी निशाना बनाया जाएगा।

ईरान ने पाक झंडे लगे 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह हमें उनका गिफ्ट है: ट्रंप

वाशिंगन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह उनकी तरफ से गिफ्ट है। इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा लगा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। वहीं ट्रम्प ने कहा कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए टाल दिए हैं। नई डेडलाइन अब 6 अप्रैल तय की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिलहाल कार्रवाई नहीं करेगा।

उन्होंने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इससे पहले भी ट्रम्प ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले की योजना को टाल चुके हैं, जिसे अब फिर से आगे बढ़ाया है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है।

बता दें बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 फीसदी तेल की सप्लाई यहां से होकर गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है।

आयरलैंड में "नो फोन कोड" सख्ती के साथ लागू

आयरलैंड,(ईएमएस)। आयरलैंड में बच्चों को मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से बचाने के लिए "नो फोन कोड" सख्ती के साथ लागू किया गया है। इस पहल के तहत 12 साल से कम उम्र के बच्चों को स्मार्टफोन न देने की अपील की गई है। कई स्कूलों और अभिभावक समूहों ने मिलकर यह निर्णय लिया है, ताकि बच्चों का बचपन स्क्रीन की बजाय खेल मैदान में बीते। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश के हजारों अभिभावकों ने इस अभियान का समर्थन किया है। उनका मानना है कि कम उम्र में मोबाइल मिलने से बच्चों की पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञ भी चेतावनी देते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में एकाग्रता की कमी, नींद की समस्या और अकेलेपन की भावना बढ़ सकती है। "नो फोन कोड" के तहत अभिभावक आपसी सहमति से तय करते हैं कि वे अपने बच्चों को एक निश्चित उम्र से पहले स्मार्टफोन नहीं देंगे। इससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव भी कम होता है, क्योंकि जब सभी के पास फोन नहीं होगा तो किसी एक बच्चे को अलग महसूस नहीं होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को फिर से खेल मैदान, किताबों और रचनात्मक गतिविधियों की ओर लौटाना है। अभिभावकों का कहना है कि वे चाहते हैं कि उनके बच्चे डिजिटल दुनिया में खोने के बजाय दोस्तों के साथ समय बिताएं, खेलें और वास्तविक अनुभवों से सीखें। आयरलैंड की यह पहल अब अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण बनती जा रही है।

बांग्लादेश के भारत से रिश्ते हो रहे मजबूत, पाकिस्तान को लग रहे एक के बाद एक झटके

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश ने 26 मार्च को अपना स्वतंत्रता दिवस पूरे भव्यता और ऐतिहासिक गौरव के साथ मनाया। 1971 में पाकिस्तान के दमनकारी शासन से मिली आजादी का यह जश्न इस साल विशेष मायने रखता है। दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति के बीच, ढाका ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि उसकी संप्रभुता और भविष्य की राह 1971 के मुक्ति संग्राम के मूल्यों पर ही टिकी है। शेख हसीना के लंबे शासनकाल के अंत और अगस्त 2024 के घटनाक्रमों के बाद, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार ने भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को एक नई और सकारात्मक दिशा दी है। लेकिन पाकिस्तान को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य ने सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान को दिया है। अगस्त 2024 में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद जब नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार संभाली थी, तब इस्लामाबाद और ढाका के बीच अचानक बढ़ी नजदीकियों ने नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ा दी थीं। उस दौरान सैन्य प्रतिनिधिमंडलों की मुलाकातों और सीधे व्यापार की बहाली से पाकिस्तान को लगा था कि बांग्लादेश अब उसके पाले में आ गया है। हालांकि, फरवरी 2026 के आम चुनावों ने पूरी बाजी पलट दी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की भारी जीत और 17 साल का निर्वासन खत्म कर तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद, पाकिस्तान की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं।नई दिल्ली में बांग्लादेशी उच्चायोग द्वारा आयोजित भव्य समारोह ने यह साबित कर दिया कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते किसी एक राजनीतिक दल के मोहताज नहीं हैं, बल्कि ये साझा इतिहास और भौगोलिक वास्तविकता पर आधारित हैं। इस कार्यक्रम में भारत के शीर्ष राजनयिकों की मौजूदगी ने स्पष्ट किया कि भारत, तारिक रहमान प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ा है। हाई कमिश्नर रियाज हामिदुल्लाह ने 1971 के उन 1,668 भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने बांग्लादेश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने तोड़ी 165 साल पुरानी परंपरा, अब करंसी पर छपेंगे ट्रंप के हस्ताक्षर

वाशिंगटन(ईएमएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्तीय इतिहास में एक अभूतपूर्व बदलाव होने जा रहा है। पिछले 165 वर्षों की स्थापित परंपरा को तोड़ते हुए अब अमेरिकी डॉलर के नोटों पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा दी गई इस जानकारी के अनुसार, यह ऐतिहासिक कदम अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में उठाया जा रहा है। साल 1861 में आधुनिक डॉलर नोटों की शुरुआत के बाद यह पहला अवसर होगा जब किसी वर्तमान राष्ट्रपति के हस्ताक्षर मुद्रा पर दिखाई देंगे। गौरतलब है कि अब तक की परंपरा के अनुसार, अमेरिकी डॉलर पर केवल ट्रेजरर ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स और वित्त मंत्री के हस्ताक्षर होते थे, लेकिन अब राष्ट्रपति का नाम शामिल कर 165 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जा रहा है। अमेरिकी ट्रेजरर ब्रैंडन बीच ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ साझा तौर पर करेंसी पर छपेंगे। उन्होंने इसे देश के प्रति ट्रंप के नेतृत्व और समर्पण का प्रतीक बताया।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी, पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है। प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबादः ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

आईपीएल 2026 का पूरा शेड्यूल जल्द होगा जारी, बीसीसीआई ने दिए संकेत

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन पूरे टूर्नामेंट के शेड्यूल का इंतजार अभी भी बना हुआ है। 28 मार्च से सीजन का आगाज तय है और क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह चरम पर पहुंच चुका है। इसी बीच बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि शेष मुकाबलों का कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा, जिससे टूर्नामेंट की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

फिलहाल लीग के पहले चरण के 20 मैचों का ऐलान किया जा चुका है, जो 28 मार्च से 12 अप्रैल के बीच खेले जाएंगे। बाकी 54 मुकाबलों के शेड्यूल का इंतजार है, जिसे इस सप्ताह जारी किए जाने की संभावना है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत साइकिया ने पुष्टि करते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों में पूरा कार्यक्रम सामने आ जाएगा। माना जा रहा है कि उद्घाटन मैच के दिन ही शेड्यूल जारी किया जा सकता है। शेड्यूल में देरी की मुख्य वजह उन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव रहे, जहां आईपीएल के मुकाबले आयोजित होने हैं। वेस्ट बंगल, असम और तमिलनाडु में चुनावी कार्यक्रम के चलते मैचों की तारीखों को अंतिम रूप देने में समय लगा। अब चुनाव आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा के बाद बीसीसीआई के लिए पूरा शेड्यूल तय करना आसान हो गया है।

इस सीजन में कुल 74 मैच 65 दिनों के भीतर खेले जाएंगे। पहले टूर्नामेंट को 84 मैचों तक विस्तारित करने की चर्चा थी, लेकिन फिलहाल इस योजना को टाल दिया गया है। अब लीग के विस्तार की संभावना 2027 के बाद ही देखी जा रही है। सीजन की तैयारियों के तहत मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक भी आयोजित की गई। इस दौरान मैच रेफरी प्रमुख जवांगल श्रीनाथ और अंपायर पैनल के प्रमुख नितिन मेनन ने खिलाड़ियों को नियमों की जानकारी दी। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इस सीजन में सभी मौजूदा नियम लागू रहेंगे।

इन नियमों में इम्पैक्ट प्लेयर, प्रति ओवर दो बाउंसर, 60 सेकंड का इनिंग्स टाइमर, कन्कशन सब्स्टीट्यूट, बैट चेक और गेंद बदलने जैसे प्रावधान शामिल हैं। कुछ कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर आपत्ति जताई, लेकिन बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि यह नियम कम से कम 2027 तक जारी रहेगा।

2016 टी20 वर्ल्ड कपः विराट कोहली की ऐतिहासिक पारी ने ऑस्ट्रेलिया से छीनी थी जीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने करियर में कई यादगार पारियां खेली हैं, लेकिन 27 मार्च 2016 को आईसीसी टी20 विश्वकप 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी नाबाद पारी आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में गिनी जाती है। उस मुकाबले में कोहली ने 51 गेंदों में 82 रन बनाकर अकेले दम पर भारत को जीत दिलाई थी।

इस अहम मुकाबले में भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 161 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरुआती ओवरों में ही विकेट गंवा दिया। कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और शुरुआत में परिस्थितियों के अनुसार संभलकर खेले। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 14 ओवर के बाद भारत का स्कोर 94 रन पर 4 विकेट था और टीम को आखिरी 6 ओवरों में 67 रन की दरकार थी। उस समय मैच पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुकता नजर आ रहा था। हालांकि, यहीं से कोहली ने अपना असली रंग दिखाया। 30 गेंदों में 35 रन बनाकर खेल रहे कोहली ने अचानक गियर बदला और आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने अगले 21 गेंदों में 47 रन ठोक डाले, जिसमें 7 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

जाकिर नाइक से मुलाकात पर विवादों में मेहदी हसन मिराज, सोशल मीडिया पोस्ट बना चर्चा का कारण

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज हाल ही में एक नए विवाद में घिर गए हैं। मिराज की मुलाकात खुद को इस्लामिक स्कॉलर बताने वाले जाकिर नाइक से हुई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस मुलाकात के बाद उठे विवाद ने खेल और धर्म के संबंध को लेकर नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, जाकिर नाइक ने मिराज के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में उन्हें "मुस्लिम स्पोर्ट्समैन" बताया। इसी शब्दावली को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आलोचकों का मानना है कि खेल को धर्म के आधार पर बांटना उचित नहीं है, क्योंकि खेल की मूल भावना सभी सीमाओं से परे होती है। एक खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन और खेल भावना से होती है, न कि उसके धर्म से। विवाद को और हवा तब मिली जब मिराज ने खुद भी इस मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने पोस्ट में जाकिर नाइक को अपना पसंदीदा इस्लामी विद्वान बताते हुए उनके ज्ञान और शांति के संदेश की सराहना की। मिराज ने लिखा कि बचपन से ही उनकी इच्छा थी कि वे एक बार उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलें, जो अब पूरी हो गई है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है।

गंभीर की आक्रामकता ही उनकी ताकत, विरोधियों के लिए 'खलनायक' लेकिन टीम के लिए हीरोः डु प्लेसी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फैफ डु प्लेसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मक भावना की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि गंभीर का यही आक्रामक रवैया उन्हें कई बार विरोधियों की नजर में "कहानी का खलनायक" बना देता है, लेकिन उनकी टीम के लिए यही सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। डु प्लेसी ने बताया कि जब आप गंभीर के खिलाफ खेलते हैं, तो उनकी ऊर्जा और जुनून उन्हें अलग बनाते हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं होती कि लोग उन्हें पसंद करते हैं या नहीं। उनका पूरा ध्यान सिर्फ जीत और टीम के प्रदर्शन पर रहता है। यही वजह है कि वह एक मजबूत लीडर के रूप में उभरते हैं और ड्रेसिंग रूम में उच्च मानक स्थापित करते हैं।

गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाईट राईडर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीते थे। इसके अलावा, मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम ने 2024 में तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। डु प्लेसी का मानना है कि यह सफलता केवल खिलाड़ियों की वजह से नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्पष्ट सोच और अनुशासन का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि एक कप्तान के रूप में जब आप गंभीर के खिलाफ मैदान में उतरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उन्हें हराने की इच्छा होती है, लेकिन साथ ही उनके नेतृत्व और उच्च मानकों का सम्मान भी किया जाता है। यही गुण उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाता है।

बेन ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

31 वर्षीय डकेट ने इस फैसले को मुश्किल बताते हुए दिल्ली के प्रशंसकों से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर खेलने का मौका उनके लिए खास था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनकी उम्र को देखते हुए भविष्य में आईपीएल में वापसी आसान नहीं होगी, हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि कभी न कभी वह दिल्ली के लिए खेल सकेंगे। अब देखना होगा कि दिल्ली कैपिटल्स इस झटके से कैसे उबरती है और क्या टीम को डकेट का मजबूत विकल्प समय रहते मिल पाता है या नहीं।

लगातार 3 बार ट्रॉफी जीताने वाले 'लकी चार्म' कर्ण शर्मा का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का आगाज हो रहा हैं, जहां पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु का सामना सनराइज हैदराबाद से होगा। मौजूदा सीजन में आरसीबी डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है और उसकी नजर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने पर होगी। हालांकि, आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में बैक-टू-बैक ट्रॉफी जीतना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं माना जाता। आईपीएल इतिहास में लगातार खिताब जीतने का एक अनोखा रिकॉर्ड भारतीय स्पिनर कर्ण शर्मा के नाम दर्ज है, जिन्हें इस लीग का 'लकी चार्म' भी कहा जाता है। कर्ण शर्मा ऐसे इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने लगातार तीन सीजन में तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल ट्रॉफी जीती है, जो अपने आप में बेहद खास उपलब्धि है। कर्ण शर्मा ने सबसे पहले 2016 में सनराइज हैदराबाद के साथ खिताब जीता। उस सीजन में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले और उन्होंने 5 मैच खेले, लेकिन एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इसके बावजूद टीम चैंपियन बनी। अगले ही साल 2017 में वह मुबई इंडियंस का हिस्सा बने, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों में 13 विकेट झटके और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद 2018 में कर्ण शर्मा चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। इस सीजन में उन्होंने 6 मैचों में 4 विकेट लिए और एक बार फिर उनकी टीम चैंपियन बनी। इस तरह कर्ण शर्मा ने लगातार तीन साल, तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है।

आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके। गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी। दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेस्मेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें। नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं।

आईपीएल 2026 से पहले राहतः पैट कमिंस की वापसी की तैयारी, एसआरएच को मिला बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सनराईज हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के नियमित कप्तान पैंट कमिंस, जो लंबे समय से बैक इंजरी से जूझ रहे थे, अब धीरे-धीरे फिटनेस की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी वापसी के संकेत देते हुए बताया कि मैदान पर लौटना उन्हें अच्छा लग रहा है। कमिंस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में भी अपनी रिकवरी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह अब नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर चुके हैं और तय रिहैब प्लान के अनुसार धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ज्यादा समय तक बाहर नहीं रहना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा कि वह फिलहाल हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहे हैं और टीम मैनेजमेंट के साथ मिलकर ऐसा प्लान तैयार किया गया है, जिससे वह टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से तक पूरी तरह फिट हो सकें। उनका लक्ष्य है कि लीग के अंतिम चरण और संभावित प्लेऑफ मुकाबलों में टीम के लिए उपलब्ध रहें।

गौरतलब है कि कमिंस को यह चोट पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी, जिसके कारण वह टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किसन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। इस बीच टीम को एक और झटका लगा है, क्योंकि ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। ऐसे में कमिंस की वापसी टीम के लिए और भी अहम हो जाती है। आईपीएल में कमिंस के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 72 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट रहा है।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी गार्डन्स, हार्ड रॉक स्टेडियम में आयोजित मियामी ओपन के महिला एकल सेमी-फ़ाइनल में, चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा के ख़िलाफ़ एक पॉइंट जीतने के बाद, अपनी प्रतिक्रिया देती अमेरिका की कोको गॉफ़.

आईपीएल 2026ः आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है। इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

आरसीबी की बिक्री से यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरधारकों को बड़ा फायदा संभव

यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) द्वारा अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को बेचने की योजना से कंपनी के शेयरधारकों को बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमूरा के मुताबिक, इस सौदे के बाद निवेशकों को प्रति शेयर 196 रुपये तक का विशेष लाभांश मिल सकता है, जो एक बड़ी एकमुश्त कमाई का संकेत है।

यह अनुमान उस प्रस्तावित समझौते पर आधारित है, जिसके तहत यूएसएल अपनी सहायक कंपनी रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) में 100 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इस डील का एंटरप्राइज वैल्यूएशन 16,660 करोड़ रुपये आंका गया है, जो अब तक किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ऊंचा मूल्यांकन माना जा रहा है। इस सौदे में संभावित खरीदारों के कंसोर्टियम में आदित्य बिड़ला ग्रुप, द टाइम्स ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

नोमूरा के अनुसार, अंतिम लाभांश इस बात पर निर्भर करेगा कि कंपनी अपनी आय का कितना हिस्सा शेयरधारकों में बांटती है। यदि यूएसएल पूरी आय का वितरण करती है, तो प्रति शेयर 196 रुपये का लाभांश संभव है, जबकि 50 प्रतिशत राशि अपने पास रखने की स्थिति में यह आंकड़ा लगभग 98 रुपये प्रति शेयर रह सकता है। ब्रोकरेज ने यह भी बताया कि सौदे से पहले ही कंपनी शुद्ध नकदी की स्थिति में थी, जिससे निवेशकों को रिटर्न देने की क्षमता और मजबूत हो जाती है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक कोई औपचारिक पूंजी आवंटन नीति की घोषणा नहीं की है।

ब्रोकरेज हाउस ने इस डील को गैर-प्रमुख परिसंपत्ति के प्रभावी मुद्रीकरण के रूप में देखा है। वित्तीय दृष्टि से आरसीबी का योगदान यूएसएल के लिए सीमित रहा है। वित्त वर्ष 2025 में इसका हिस्सा कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 2 प्रतिशत और एबिटा व मुनाफे का करीब 9 प्रतिशत रहा। इसके बावजूद, आरसीबी एक हाई-प्रोफाइल और चर्चित ब्रांड बनी रही है। नोमूरा ने यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयर पर अपनी 'खरीद' रेटिंग बरकरार रखी है और 1,650 रुपये का लक्ष्य मूल्य तय किया है।

रुपया 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर परः इस वित्त वर्ष डॉलर के मुकाबले 10% गिरा, 14 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्लीः भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और एनर्जी सप्लाई चैन में आई रुकावटों के कारण भारतीय रुपए में यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने में ही रुपया करीब 4% टूट चुका है, जबकि इस फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में इसमें 10% से ज्यादा की गिरावट आई है। यह पिछले 14 सालों की सबसे बड़ी गिरावट है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान जंग जारी रही तो रुपया जल्द ही 98 के स्तर तक जा सकता है।

2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावट

भारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, 14 साल में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14% की गिरावट आई थी। वहीं, 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10% तक गिर चुका है।

डॉलर महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी

मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष को पिछले कई दशकों का सबसे गंभीर एनर्जी संकट माना जा रहा है। इसका सीधा असर भारत पर पड़ रहा है।

तेल की कीमतेंः कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इम्पोर्ट बिल बढ़ गया है।

जरूरी सामान महंगाः LPG से लेकर प्लास्टिक और अन्य पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की सप्लाई प्रभावित हुई है।

महंगाई का डरः डॉलर महंगा होने से भारत में पेट्रोल-डीजल और इम्पोर्टेड सामान महंगे होंगे, जिससे रिटेल महंगाई बढ़ने का खतरा है।

विदेश में पढ़ाई और घूमना महंगाः अगर आप विदेश जाने की योजना बना रहे हैं या आपका कोई बाहर पढ़ रहा है, तो आपको डॉलर खरीदने के लिए ज्यादा रुपए खर्च करने होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल के दामः मोबाइल, लैपटॉप और विदेश से आने वाले अन्य पार्ट्स महंगे हो सकते हैं, क्योंकि कंपनियां इनका भुगतान डॉलर में करती हैं।

सोने में आज 2,490, चांदी में 9 हजार गिरावटःईरान जंग से 28 दिन में सोना 15 हजार सस्ता

नई दिल्लीः अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,490 रुपए घटकर 1.44 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले बुधवार को यह 1.46 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 9,114 रुपए घटकर 2.25 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले 25 मार्च को इसकी कीमत 2.35 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 28 दिन में 15,382 और चांदी 41,000 सस्ती हुई है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत जैसे इलाकों में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी मात्रा में सोना खरीदते हैं, जिससे छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम में मिलता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं, जो स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर सोने का रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स ने स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह मायने रखता है। जिनके पास पुराने और सस्ते रेट का स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत ले सकते हैं।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

- भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की

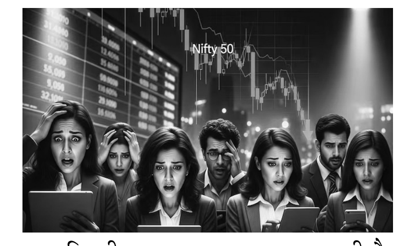

दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

टिकट से लेकर टैक्स तक! 1 अप्रैल से होंगे ये बदलाव, जिसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा

1 अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू होना और इसके साथ ही यह आम आदमी की जेब और जीवन की प्राथमिकताओं में भी कई बदलाव लाएगा। इस बार बदलाव सिर्फ बजट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दशकों पुराने 'इनकम टैक्स एक्ट 1961' की विदाई हो रही है और उसकी जगह 'नया इनकम टैक्स एक्ट 2025' लागू होगा। वहीं बैंकिंग और रेलवे के 1अप्रैल से लागू होने वाले नियमों ने चिंता आम आदमी की बढ़ाई है। अब ट्रेन टिकट कैंसिल करने पर रिफंड के नियम सख्त होंगे और ATM से कैश निकालना भी महंगा पड़ सकता है। पैन कार्ड के लिए डॉक्यूमेंट्स की कड़ाई और रसोई गैस की कीमतों में संभावित बदलाव सीधे आपके घर के बजट पर असर डालेंगे। इन 10 महत्वपूर्ण बदलावों को समझना आपके लिए बेहद जरूरी है ताकि आप अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग समय रहते कर सकें।

नया इनकम टैक्स कानून लागू

पुराना इनकम टैक्स एक्ट 1961 अब इतिहास बन जाएगा। नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगा। इसमें शब्दावली को सरल बनाया गया है। पहले इस्तेमाल होने वाले 'असेसमेंट ईयर' (AY) और 'प्रिवियस ईयर' (PY) की जगह अब सिर्फ एक 'टैक्स ईयर' का इस्तेमाल होगा। इससे टैक्स फाइलिंग और समझना आसान हो जाएगा। कानून में कई अन्य बदलाव भी किए गए हैं जो टैक्सपेयर्स के लिए ज्यादा आसान बनेंगे

ज्यादा टैक्स रिबेट का फायदा

नए टैक्स रिजीम में अब सालाना 12 लाख रुपये तक कमाने वाले लोगों को जीरो टैक्स देना पड़ेगा। सेक्शन 87A के तहत रिबेट बढ़ा दिया गया है। इससे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिलेगी। पहले यह सीमा कम थी, लेकिन अब 12 लाख तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। यह बदलाव आम लोगों की जेब को थोड़ा हल्का करेगा।

TDS फॉर्म्स में बदलाव

1 अप्रैल 2026 से फॉर्म 16 और फॉर्म 16A को हटा दिया जाएगा। अब इनकी जगह फॉर्म 130 और फॉर्म 131 आएंगे। फॉर्म 130 सैलरी वाले TDS सर्टिफिकेट के लिए होगा, जबकि फॉर्म 131 नॉन-सैलरी पेमेंट्स के लिए। जारी करने के टाइमलाइन भी बदले जाएंगे ताकि कंप्लायंस आसान हो और टैक्स फाइलिंग में क्लैरिटी बनी रहे।

LPG सिलेंडर की कीमतों में संशोधनः घरेलू LPG सिलेंडर की कीमतें 1 अप्रैल को रिवाइज हो सकती हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक चुनौतियां बढ़ी हैं। इससे सप्लाई प्रभावित हुई है। कीमतों में बदलाव से आम परिवारों के रसोई खर्च पर असर पड़ेगा।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कैमरून के याओन्डे में डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए।

एमएसएमई को कर्ज भुगतान में राहत पर विचार, आरबीआई से मॉरेटोरियम की मांग तेज

पश्चिम एशिया में संघर्ष चलते एक महीना होने को है जिसका भारत सहित दुनिया भर में असर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में बैंकरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि नकदी प्रवाह में आई अड़चन के प्रभाव से निपटने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और मझोले आकार की कंपनियों को कर्ज भुगतान में तय समय के लिए मॉरेटोरियम यानी मोहलत देनी चाहिए। इससे संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एक वैकल्पिक ढांचा प्रस्तावित किया जा रहा है, जिसमें नकदी प्रवाह की समस्या का सामना कर रहे कर्जदार स्वेच्छा से मॉरेटोरियम का लाभ उठा सकते हैं, बजाय इसके कि बैंक राहत देने से पहले प्रत्येक मामले के आधार पर समस्या का आकलन करें।

कोविड-19 महामारी के दौरान आरबीआई ने कारोबार में व्यापक स्तर पर आई रुकावट और उसके कारण नकदी प्रवाह पर पड़े

दबाव को देखते हुए कर्ज चुकाने पर कुछ समय की रोक (मॉरेटोरियम) की अनुमति दी थी। बैंकरों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो इसी तरह की व्यवस्था पर फिर विचार किया जा सकता है। बैंकिंग नियामक ने बैंकों से उस क्षेत्र और उन उद्योगों में उनके निवेश से जुड़ा आंकड़ा मांगा है जो मौजूदा वैश्विक संकट से प्रभावित हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार ने भी स्थिति का जायजा लिया है और बैंकों से अपने सुझाव देने को कहा है।

एक सरकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आरबीआई सरकार के साथ (राहत पैकेज पर) काम कर रहा है क्योंकि यह विशेष परिस्थिति है। अगर मौजूदा स्थिति बनी रहती है तो कई उद्योगों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में नकदी प्रवाह पर असर पड़ने की वजह से कर्ज चुकाने की थोड़े समय के लिए मोहलत दी जा सकती है। यह रियायत एक-दो महीने या हालात सामान्य होने तक दी जा सकती है।' उन्होंने कहा, 'गुजरात के मोरबी में सिरैमिक क्लस्टर पर बहुत बुरा असर पड़ा है क्योंकि टाइल बनाने के लिए यह पूरी तरह से गैस पर निर्भर है। इसी तरह कांच उद्योग, खास कर चूड़ियां बनाने वाले उद्योग भी समस्या से जूझ रहे हैं। पश्चिम एशिया के बाजारों पर निर्भर रहने वाले चावल निर्यातक भी प्रभावित हो रहे हैं। उर्वरक जैसे क्षेत्रों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।'

बैंकरों ने कहा कि अब तक उनके ऋण पोर्टफोलियो में परिसंपत्ति की गुणवत्ता से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। अगर जंग जारी रहती है तो अप्रैल-जून तिमाही के दौरान ऐसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

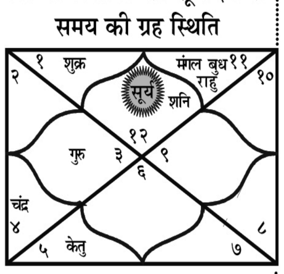

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.52 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.32 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.59 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.11 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.22 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.37 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.53 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मकर	01.58 बजे से
		कुंभ	03.44 बजे से
		मीन	05.17 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 87 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 08.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 14.50 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 20.06 बजे को समाप्त।
करण गर 08.46 बजे तदनन्तर वणिज 20.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872662
जूलियन दिन 2461127.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली -6518

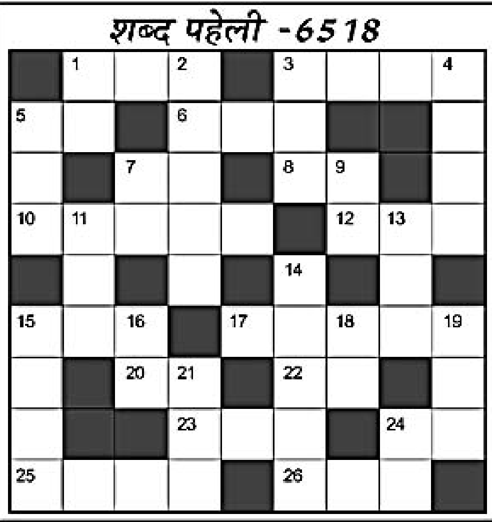

बाएँ से दाएँ
1. कंठ,गला-3
3. पक्षियों का शोर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा,तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली,एक फल-2
23. उपासना,शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे
1. मर्यादा,सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर,इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा,रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. नाट्य,कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली 6517 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1939 स्पेनी ग्रहयुद्ध में मैड्रिक ने जनरल फ्रांसिस्को फ्रैको के आगे हथियार डाल दिये.

1941 नेताजी सुभाषचंद्र बोस बर्लिन पहुंचे.

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने वी-2 राकेट से ब्रिटेन पर हमला किया.

1945 अमेरिका ने सेबू,फिलीपींस पर हमला किया.

1947 ब्रिटेन ने साइप्रस छोड़कर कहीं भी जाने की शर्त पर आर्कबिशप मकारियोस को रिहा किया.

1974 इथोपिया में देशभर में असंतोष के कारण सरकार भी निष्प्रभाव हो गई.

1986 होंडुराम के साथ युद्ध में निकारुगुवा ने बड़ी संख्या में सैनिक भेजे.

1997 दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की भारत यात्रा.

1997 बंगाल की प्रख्यात लेखिका महाश्वेता देवी को ज्ञानपीठ पुरस्कार.

2000 धारावाहिक मोस्ट वांटेड के निर्माता सुहेब इलियासी को पुलिस ने उनकी पत्नी की दहेज हत्या के आरोप पर गरिफ्तार किया.

2005 उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में जहरीली शराब से 13 लोग मरे.

2007 विश्व के सबसे लंबे व्यक्ति चीन के बाओ चिशुन (7 फीट 9 इंच) का विवाह जिया शुजान नामक युवती से हुआ.

अंकजाल -6059

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	15	26	14	■	29	13	17	22	■
14		7		■		2		5	22
17	8		4	■	7		3		23
12		7		■		6		9	24
24	3		2		7	■	■	■	■
■	■	■	■	8		6		3	29
17	6		5		■		6		14
27		7		8	■	5		6	19
25	4		8		■		7		10
■	14	17	21	30	■	18	28	13	■

अंकजाल 6058 का हल

■	14	23	22	■	32	14	19	13	■
14	2	7	5	■	5	4	9	7	25
16	5	3	8	■	2	7	3	4	16
15	2	6	7	■	9	3	7	2	21
26	5	7	2	5	7	■	■	■	■
■	■	■	■	8	9	2	3	8	30
21	5	6	7	3	■	6	4	5	15
16	2	5	6	3	■	7	8	8	23
23	5	8	6	4	■	6	8	7	21
■	12	19	19	23	■	21	23	28	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5003

	3	2	5	4		7
1	31		35		29	
5		4	7		2	6
	31		37	3	29	
	1		7			4
4	23	5	33	2	36	1
				7	6	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5002 का हल

6	5	2	3	7	4	1
1	29	7	33	6	39	6
3	4	1	5	2	6	7
4	23	5	27	1	34	2
2	1	3	6	4	7	5
5	29	6	37	3	33	4
7	1	4	6	5	2	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4363

100		4		2		30	=	20
	■		■		■		■	
30		2		2		20	=	50
	■		■		■		■	
50		25		5		2	=	60
	■		■		■		■	
2		20		3		4	=	23
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10		11		15		16	=	22 / 33

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली -4362

29	+	45	-	9	-	12	=	53
+	■	-	■	+	■	+	■	-
59	-	20	+	6	-	20	=	25
+	■	-	■	+	■	-	■	+
2	x	20	-	20	+	25	=	45
-	■	x	■	-	■	+	■	-
50	÷	2	x	2	-	25	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40	-	10	+	33	-	32	=	31 / 48

शब्दजाल - 6050

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डो	श	शि	या	ड़	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

शब्दजाल में 'वहीदा रहमान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

गाईड,नीलकमल,प्रेम पुजारी,रेशमा और शेरा,खामोशी,पत्थर के सनम,तीसरी कसम,कोहरा,राखी,बीस साल बाद

शब्दजाल - 6049 का हल

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बां	व
द	ज	ल	श	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	रा	दी	छ	ज	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	को	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	ब	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

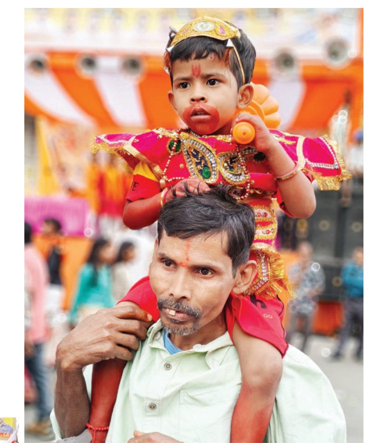

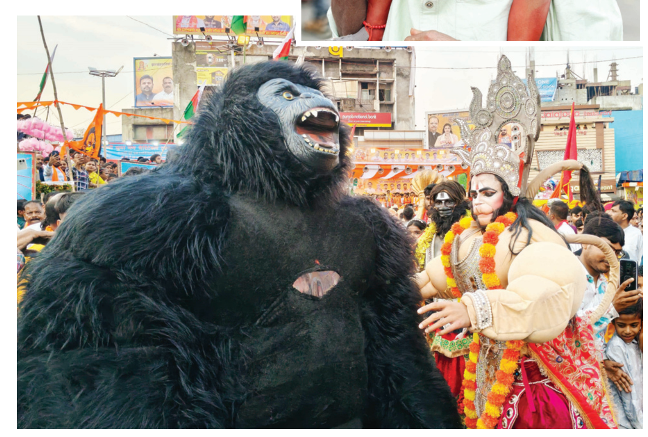

रांची में रामनवमी की धूम

संक्षिप्त खबरें

मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने मनरेगा को कमजोर करने के प्रयासों पर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

चाईबासाः चाईबासा स्थित टीआरटीसी में संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में झारखंड एवं ओडिशा के नव नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के साथ राज्य की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने संवाद किया. इस दौरान मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि झारखंड में पेसा नियमावली का लागू होना एक ऐतिहासिक कदम है, जिसकी लंबे समय से मांग की जा रही थी. उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था और कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में इसे लागू करने का वादा किया था. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अब जब पेसा नियमावली लागू हो चुकी है, तो इसे पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ जमीनी स्तर पर लागू करना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि आम जनता को इसका वास्तविक लाभ मिल सके. उन्होंने इसे झारखंड का मॉडल बताते हुए विश्वास जताया कि यह पूरे देश में उदाहरण बनेगा. मंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पेसा को लेकर उनके रुख में आए बदलाव का जवाब संगठन के माध्यम से दिया जाएगा. साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर मनरेगा कानून को कमजोर करने के प्रयासों का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस इसे बचाने के लिए प्रतिबद्ध है. इस मौके पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने दीपिका पाण्डेय सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पेसा नियमावली के ड्राफ्ट से लेकर हेमंत सोरेन एवं कैबिनेट से मंजूरी दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही है. उन्होंने कहा कि राज्य की 2066 पंचायतों में पेसा लागू होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और जिला अध्यक्षों की भूमिका इसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण होगी.वहीं, आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता दयामणि बारला ने पेसा कानून को आदिवासी समाज के हितों की रक्षा करने वाला बताया. कार्यक्रम में सह प्रभारी श्रीवेला प्रसाद, सह अध्यक्ष भूपेंद्र मरावी, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रामगढ़ विधायक ममता देवी एवं सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

धनबाद में 99जी स्पोर्ट्स का शुभारंभ, मेयर संजीव सिंह ने बैडमिंटन कोर्ट का किया उद्घाटन

धनबादः धनबाद में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए शुक्रवार को 99G स्पोर्ट्स का भव्य उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर मेयर संजीव सिंह ने अत्याधुनिक बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ किया. 99 ग्रुप के संचालक श्याम पांडे ने मेयर को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया. मेयर संजीव सिंह ने कहा कि धनबाद में इस तरह के आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकसित होना बेहद सकारात्मक संकेत है. इससे शहर के बच्चों व युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे. ऐसे केंद्र न सिर्फ खिलाड़ियों को प्रशिक्षण का मंच देते हैं, बल्कि उनकी प्रतिभा को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वहीं, 99G स्पोर्ट्स के संचालक श्याम पांडे ने कहा कि शहर में बैडमिंटन कोर्ट की संख्या काफी सीमित है. ऐसे में इस नए कोर्ट के शुरू होने से खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास के लिए बेहतर और सुलभ सुविधा मिलेगी. यहां बच्चे व युवा व्यवस्थित प्रशिक्षण के साथ-साथ अपने खेल कौशल को विकसित कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि इस स्पोर्ट्स सेंटर में 999 रुपये प्रति माह के शुल्क पर बैडमिंटन अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. अधिक से अधिक खिलाड़ी इसका लाभ उठा सकेंगे.

असम में 28 को हेमंत सोरेन और 29 को बाबूलाल का दौरा

रांची : बंगाल और असम के चुनाव मैदान में अब झारखंड के नेता भी सक्रिय हो गए हैं. भाजपा, झामुमो और कांग्रेस के नेता वहां रह रहे बिहार-झारखंड के प्रवासी मतदाताओं को साधने में जुटे हैं. असम विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है. हालांकि झामुमो के 21 उम्मीदवारों की एंट्री से चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 28 मार्च को दोपहर 2:20 बजे कोकराझार के हारापुता फुटबॉल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का 29 मार्च को असम दौरा प्रस्तावित है. झामुमो ने असम चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की संशोधित सूची जारी की है. भाजपा और कांग्रेस की सूची में भी झारखंड के कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं. झामुमो की नई सूची में सुप्रियो भट्टाचार्य का नाम जोड़ा गया है, जबकि विधायक सुखराम उरांव का नाम हटाया गया है. पार्टी के मुताबिक हेमंत सोरेन प्रचार अभियान का नेतृत्व करेंगे. उनके साथ डॉ. सरफराज अहमद, कल्पना मुर्मू सोरेन, डॉ. महुआ माजी, विनोद कुमार पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य, सुदिव्य कुमार, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, योगेंद्र प्रसाद, विजय हांसदा, हफीजुल हसन, भूषण तिर्की और विकास मुंडा समेत कई नेता शामिल रहेंगे.

गढ़वा के रामकंडा में रामनवमी जुलूस के दौरान तनाव

घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी और एसपी, 19 लोग गिरफ्तार, थाना प्रभारी लाइन हाजिर

गढ़वाः जिले के रामकंडा थाना क्षेत्र में रामनवमी के अष्टमी के दिन देर रात दो समुदायों के बीच झड़प हो गई. घटनास्थल पर एसपी पहुंचे और महौल को शांत किया गया. वहीं जुलूस के दौरान फैले तनाव को देखते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. गढ़वा एसपी अमन कुमार ने बताया कि थाना प्रभारी को लाईन हाजिर कर दिया गया है. वहीं इस मामले में दोनों पक्षों से 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. साथ ही 18 वाहनों को भी जब्त किया गया है. इस घटना में 6 पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं.

घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी और एसपीः मामले को लेकर स्थिति का जायजा लेने खुद पलामू डीआईजी कौशल किशोर और गढ़वा एसपी अमन कुमार घटनास्थल पर पहुंचे. स्थिति को देखते हुए इलाके में 100 से ज्यादा पुलिस को तैनात किए गए हैं. मामले को लेकर पुलिस नें बताया कि रामनवमी पर स्थानीय लोगों ने महाअष्टमी पर जुलूस निकाला था. जुलूस को समुदाय विशेष के लोगों ने कौआखोह शिव चबूतरा के पास आगे जाने से रोक दिया. जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई. वहां तैनात पुलिस ने माहौल बिगड़ता देख हल्का बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े.

घटना को लेकर डीआईजी ने दी जानकारीः घटना की सूचना पर डीआईजी कौशल किशोर भी घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया. डीआईजी ने कहा की रामनवमी के पूर्व पुलिस सुरक्षा में झांकी निकाली गई थी. फिर भी जुलूस पर पथराव किया गया. पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्के बल का प्रयोग और आंसू गैस के गोले छोड़े. डीआईजी ने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में हैं. पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी मे तब्दील कर दिया गया है. उन्होंने कहा दोषी कोई भी हो, किसी को बक्शा नहीं जाएगा. डीआईजी ने बताया पुलिस पदाधिकारी के साथ कई लोगों की घायल होने की सूचना मिली है, सभी का इलाज जारी है.

माहौल नियंत्रण में हैं- एसपीः वहीं घटना को लेकर गढ़वा एसपी अमन कुमार ने बताया कि जुलूस को लेकर बुधवार को भी थोड़ा विवाद हुआ था. जिसपर दोनों समुदाय ने बैठककर जुलूस को जाने देने पर सहमति बनी थी. लेकिन जब गुरुवार रात जुलूस निकला तो दूसरे समुदाय के कुछ लोग जमा हो गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया. एसपी ने कहा माहौल तनावपूर्ण देखते हुए पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग और आंसू गैस के गोले छोड़े गए. जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गए और फिलहाल माहौल नियंत्रण में हैं.

बोकारोः रामनवमी जुलूस के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आ 6 लोग झुलसे

बोकारोः बोकारो जिले के पेटरवार में रामनवमी पर निकाले गए जुलूस में एक बड़ा हादसा हो गया. पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको गांव में अखाड़ा मिलन के दौरान महाबीरी झंडा अचानक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई. इस हादसे में कुल 6 लोग झुलस गए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी घायलों को पहले नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल रेफर किया गया है.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जुलूस के दौरान झंडा ऊंचा होने के कारण ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से टकरा गया, जिससे करंट फैल गया और आसपास मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय प्रशासन व पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई है.

धनबादः रामनवमी जुलूस पर पथराव, एक दर्जन लोग घायल, इलाके में तनाव

धनबादः धनबाद जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र के भिखराजपुर में रामनवमी पर निकाले गए अखाड़ा जुलूस के दौरान अचानक पथराव की घटना से अफरा-तफरी मच गई. इस अप्रत्याशित घटना के बाद जुलूस में शामिल लोगों के बीच भगदड़ मच गई और पूरे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा था. इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया. इस घटना में करीब एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं. घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज जारी है. घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आया. भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई . इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं. मौके पर डीएसपी, सिटी एसपी समेत कई वरीय अधिकारी पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं.

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है. पथराव में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है. एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में लगातार पुलिस गश्त जारी है. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि शांति बनाए रखें. किसी भी तरह की भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें.

12 साल की बच्ची की हत्या के विरोध में भाजपा ने हजारीबाग बंद का किया ऐलान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रशासन पर खड़े किए सवाल

हजारीबागः जिले के विष्णुगढ़ थाना इलाके के कुसुंबा गांव में पुलिस ने एक 12 साल की बच्ची का शव संदिग्ध हालत में बरामद किया है. घटना 25 मार्च की है. घटना के तीन दिन बाद बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया. प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी निर्मम हत्या की गई है. बच्ची के बदन पर चोट के निशान स्पष्ट करते हैं कि दरिंदगी से हत्या की गई है.

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने घटना पर दुख जाहिर किया है और सरकार से मांग की कि गुनहगार को फांसी की सजा हो. उन्होंने कहा कि इस घटना को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर बताया. वहीं हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि इस मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है. बहुत जल्द अपराधी गिरफ्तार होंगे. हजारीबाग एसपी के स्तर पर एसआईटी का गठन किया गया है.

वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और भाजपा विधायक पीड़ित परिवार को सांत्वना देने गांव पहुंचे. उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर 24 घंटे के अंदर दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो सोमवार को हजारीबाग बंद रहेगा. राज्य भर के सभी जिला मुख्यालय में भी धरना दिया जाएगा. अगर फिर भी गिरफ्तारी नहीं हुई तो पूरा झारखंड ठप कर दिया जाएगा.

सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है. इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी उपायुक्त और एसपी मौके पर नहीं पहुंचे. एसडीपीओ सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिए मौके पर हैं. 48 घंटे बाद भी दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है.

उन्होंने मांग की है कि प्रशासन 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करे, ऐसा न होने पर सोमवार को पूरा हजारीबाग बंद रहेगा. राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर भाजपा धरना देगी. अगर फिर भी गिरफ्तारी नहीं हुई तो पूरा झारखंड ठप कर दिया जाएगा. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कोयला और बालू चोरी में व्यस्त है. आम लोगों को सुरक्षा तक नहीं मिल पा रहा है.

भाजपा नेता अमर बाउरी ने सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि चार दिनों से शव गांव में पड़ा है. सरकार का कोई भी नुमाइंदा या जिला प्रशासन का कोई बड़ा अधिकारी इसकी सूध लेने नहीं पहुंचा है. इससे पता चलता है कि सरकार और जिला प्रशासन दोनों ही निष्क्रिय हैं और उनमें इंसानियत का नामोनिशान तक नहीं है.

गिरफ्तारी के बारे में, विष्णुगढ़ एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्ते को मौके पर भेजा गया. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ही कुछ कहा जा सकता है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और पीड़ित परिवार को भी सुरक्षा उपलब्ध करायी जा रही है.

ईडी ने एनसीएल के पूर्व सीएमडी भोला सिंह की रांची की संपत्ति जब्त की

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने नार्दन कोल फिल्डस लिमिटेड(एनसीएल) के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक भोला सिंह की रांची की संपत्ति ज़ब्त कर ली है.जब्त की गयी संपत्ति का मूल्य 2.79 करोड़ रुपये है. ईडी भोला सिंह के ख़िलाफ़ मनी लाउंड्रिंग के आरोपों की जांच सीबीआई द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी.

भोला सिंह के ख़िलाफ़ दर्ज मामले की जांच के दौरान की गयी छापामारी के दौरान एक बैंक लॉकर जब्त किया गया था. यह लॉकर भोला सिंह और उनकी पत्नी द्वारा ऑपरेट किया जाता था. लॉकर की जांच में नक़द राशि और ज़ेवरात जब्त किये गये थे. लॉकर से कुल 1.94 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली थी. जांच के दौरान पाया गया कि भोला सिंह ने रांची स्थित सेल सिटी में 85.45 लाख रुपये की लागत से एक आलीशान फ्लैट खरीदी है. ईडी ने मनी लाउंड्रिंग के आरोपों की जांच के बाद लॉकर से मिली नक़द, ज़ेवर सहित सेल सिटी के फ्लैट को जब्त कर लिया है. जब्त की गयी संपत्ति की कुल क़ीमत 2.79 करोड़ रुपये है. भोला सिंह ने यह संपत्ति जनवरी 2022 से जनवरी 2024 के बीच अर्जित की थी.

उल्लेखनीय है कि सीबीआई दिल्ली की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने एनसीएल में टेंडर घोटाला और कमीशनखोरी के आरोपों में एक प्राथमिकी दर्ज की थी. मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने अगस्त 2024 में भोला सिंह सहित अन्य लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था. छापामारी के दायरे में शामिल किये गये लोगों के ठिकानों से 3.80 करोड़ रुपये नक़द सहित गड़बड़ी से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये थे.

मामले की जांच में पाया गया था कि एनसीएल में टेंडर जारी करने से पहले ही टेंडर मैनेज करने की साज़िश में शामिल अधिकारियों द्वारा कंपनियों से बातचीत कर ली जाती थी.

ईडी ने स्टेट बैंक मैनेजर और उनकी पत्नी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के तत्कालीन मैनेजर मनोज कुमार और उनकी पत्नी नीतू कुमारी के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (आरोप पत्र) दायर किया है। ईडी की इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि मनोज कुमार ने विभिन्न बैंक ब्रांच में ग्राहकों के डेबिट कार्ड और अकाउंट में मैनिपुलेशन कर कुल 5.40 करोड़ रुपये की फ्रॉड की। इस दौरान 440 कस्टमर के सेविंग अकाउंट, लोन अकाउंट, पेंशन अकाउंट, कैश क्रेडिट अकाउंट और केसीसी लोन अकाउंट प्रभावित हुए। ईडी के अनुसार, इल्लीगल विदड्रॉल से अर्जित रकम को कागजी एनजीओ और फैमिली मेंबर्स के अकाउंट के जरिए रूट किया गया। इसी पैसे से नीतू कुमारी के नाम पर साहिबगंज की सागर कॉलोनी में प्रॉपर्टी खरीदी गई और हाउस कंस्ट्रक्शन कराया गया। इसके अलावा पटना के बेली रोड स्थित सुबोध पैलेस में फ्लैट भी खरीदे गए। ईडी ने 97.92 लाख रुपये की अटैच्ड प्रॉपर्टी जब्त कर ली है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।